website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 343 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 19 नवंबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

रोहिणी आचार्य का छलका दर्द:

फोन पर बात करते हुए रो पड़ा व्यक्ति; परिवार में कलह के आरोपों पर भावुक बयान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद राष्ट्रीय जनता दल (RJD) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार में आंतरिक कलह की खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने परिवार के सदस्यों पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने, चप्पल से मारने और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। ये आरोप उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए थे। इस बीच, रोहिणी आचार्य का बिहार के एक वरिष्ठ पत्रकार, कन्हैया भेलारी, से फोन पर बात करने का एक भावुक वीडियो सामने आया है। यह बातचीत 'एक्स' और फेसबुक पर साझा की गई है। बातचीत के दौरान, रोहिणी आचार्य ने पत्रकार से सवाल पूछा, "आप यह बताएं कि बेटियों को कितना घंटा और कितने दिन मायके में रहना चाहिए इसका हिसाब बताइए।" बातचीत के दौरान पत्रकार कन्हैया भेलारी भावुक होकर रो पड़े। रोहिणी ने स्पष्ट किया कि वह अपने भाई तेजस्वी यादव के बुलावे पर घर आई थीं। रोहिणी आचार्य ने आगे अपनी किडनी दान करने के मुद्दे पर बयान दिया, जिसके कारण परिवार में विवाद शुरू हुआ था। उन्होंने कहा, "जो लोग लालू जी के नाम पर कुछ करना चाहते हैं, वे झूठी हमदर्दी जताना छोड़कर हॉस्पिटल्स में अपनी अंतिम सांसें गिन रहे लाखों-करोड़ों गरीब लोगों को अपनी किडनी देने के लिए आगे आएं।" उन्होंने चुनौती दी कि जो लोग पिता को किडनी देने वाली शादीशुदा बेटी को गलत बताते हैं, वे हिम्मत जुटाकर उनसे खुले मंच पर बहस करें। रोहिणी ने कहा कि किडनी दान के महादान की शुरुआत पहले उन लोगों को करनी चाहिए "जो बेटी की किडनी को गंदा बताते हैं," फिर "चाटुकार पत्रकार" और उन्हें गाली देने वाले "ट्रोलर्स" को करनी चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि जिन लोगों का "एक बोतल खून देने के नाम पर खून सूख जाता है, वो किडनी देने पर उपदेश देते हैं?" कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ ने भी लालू यादव और राबड़ी देवी से रोहिणी आचार्य को इंसाफ दिलाने की मांग की है।

F-35 डील पर अमेरिका में चिंता:

चीन को मिल सकती है एडवांस स्टेल्थ तकनीक; प्रिंस सलमान के दौरे पर $1 ट्रिलियन निवेश और 48 जेट की डील संभव

वॉशिंगटन (एजेंसी) । अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां सऊदी अरब को अत्याधुनिक F-35 लड़ाकू विमान बेचने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले को लेकर गंभीर रूप से चिंतित हैं। उनका मानना है कि इस सौदे से चीन को इन विमानों की उन्नत स्टेल्थ तकनीक तक पहुंच मिल सकती है, जिससे अमेरिकी सैन्य बढ़त को खतरा पैदा हो जाएगा।

तकनीक लीक होने का डर

सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (MBS) के अमेरिका दौरे के दौरान 48 F-35 लड़ाकू विमानों की एक बड़ी डील होने की संभावना है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सऊदी को "मजबूत सहयोगी" बताते हुए इस सौदे का समर्थन किया है, लेकिन पेंटागन के कई अधिकारी इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा मान रहे हैं। डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (DIA) की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सऊदी अरब और चीन के बीच पहले से ही डिफेंस पार्टनरशिप है। अगर सऊदी को F-35 मिलते हैं, तो चीन उसके माध्यम से अमेरिकी स्टेल्थ तकनीक तक पहुंच बना सकता है।

चीन क्यों है खतरा?

F-35 दुनिया का सबसे उन्नत 5वीं जेनरेशन का स्टेल्थ फाइटर जेट है, जिसे लॉकहीड मार्टिन ने विकसित किया है। इसकी तकनीक लीक होने से अमेरिकी सैन्य शक्ति कमजोर हो सकती है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट और एक्सपर्ट्स के मुताबिक, चीन लंबे समय से अमेरिकी सैन्य तकनीक की जासूसी और नकल करता रहा है। यदि सऊदी और चीन संयुक्त सैन्य अभ्यास करते हैं, तो चीन को इन विमानों के रडार-एवॉयडेंस सिस्टम, सॉफ्टवेयर, और सेंसर तकनीक का गहन अध्ययन करने का मौका मिल सकता है। अधिकारी आशंका जता रहे हैं कि चीन इस तकनीक का उपयोग अपने स्टेल्थ फाइटर, J-20 को और मजबूत बनाने में कर सकता है। फिलहाल, मध्य पूर्व में F-35 केवल इजराइल के पास है। अगर चीन को इस तकनीक तक एक्सेस मिलता है, तो यह इजराइल की सैन्य बढ़त को भी चुनौती देगा।

MBS का 7 साल बाद अमेरिका दौरा: बड़े समझौते की उम्मीद

क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान 2018 के बाद पहली बार अमेरिका का दौरा कर रहे हैं। पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना करना पड़ा था, लेकिन वैश्विक भू-राजनीति अब बदल चुकी है। अमेरिका गाजा युद्ध को लेकर दबाव में है, जबकि सऊदी और चीन के रिश्ते मजबूत हुए हैं, खासकर 2023 में चीन ने सऊदी-ईरान समझौते में मध्यस्थता की थी। प्रिंस सलमान के इस दौरे पर रक्षा सहयोग, परमाणु तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और निवेश समझौतों पर बातचीत की उम्मीद है। प्रिंस सलमान अपने विजन 2030 के तहत सऊदी अर्थव्यवस्था की तेल पर निर्भरता कम करके टेक्नोलॉजी और नई इंडस्ट्री की तरफ ले जाना चाहते हैं।

निवेश पर ट्रम्प का फोकस

राष्ट्रपति ट्रम्प ने दूसरी बार शपथ लेने के बाद सबसे पहले प्रिंस सलमान को फोन किया था और कहा था कि वह सबसे पहले उस देश का दौरा करेंगे जो अमेरिका में सबसे ज्यादा निवेश करेगा। सऊदी सरकार ने इसके जवाब में अगले चार सालों में अमेरिका में 600 अरब डॉलर (50 लाख करोड़ रुपए) के निवेश की तैयारी जताई थी। ट्रम्प इसे बढ़ाकर 1 ट्रिलियन डॉलर तक होते देखना चाहते हैं, जिसमें अमेरिकी सैन्य उपकरणों की बड़ी खरीद भी शामिल है। सऊदी के पास अपने सॉवरेन वेल्थ फंड (PIF) में $925 अरब की भारी भरकम रकम है। इस दौरे पर अमेरिका सऊदी से गाजा शांति प्रस्ताव का समर्थन और गाजा को फिर से बसाने में मदद चाहता है। वहीं, सऊदी अमेरिका के साथ एक मजबूत डिफेंस एग्रीमेंट की तलाश में है। F-35 की यह डील दोनों देशों के लिए हाई-स्टेक साबित होगी, जहां अरबों डॉलर का निवेश है, वहीं अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा का जोखिम भी है।

जयपुर एयरपोर्ट पर बम धमकी की मॉक ड्रिल:

CISF ने रियल टाइम में रिस्पॉन्स टाइम जांचा, आपातकालीन तैयारियों का पूरा आकलन

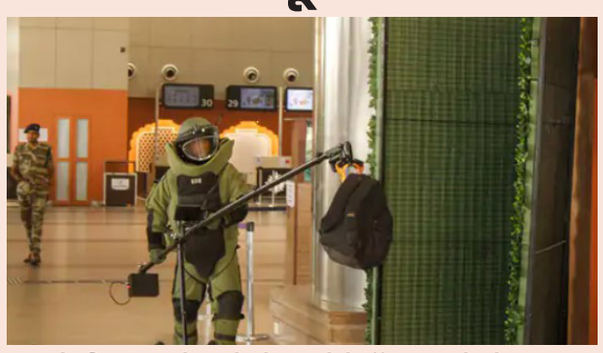

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर मंगलवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) की ओर से बम धमकी से बचाव के लिए एक महत्वपूर्ण मॉक ड्रिल आयोजित की गई। यह ड्रिल एयरपोर्ट परिसर में रियल टाइम स्थिति को ध्यान में रखते हुए की गई, जिसमें बम की संभावित धमकी मिलने पर तुरंत सर्च ऑपरेशन और संबंधित टीमों के रिस्पॉन्स टाइम का मूल्यांकन किया गया। इसका उद्देश्य यह जानना था कि आपात स्थिति में टीमें कितनी तेजी और प्रभावी तरीके से कार्रवाई करती हैं।

इस मॉक ड्रिल में CISF, एयरपोर्ट अधिकारी, एयरलाइन पार्टनर्स और अन्य सभी संबंधित हितधारकों ने पूर्ण समन्वय के साथ भाग लिया। ड्रिल के दौरान टर्मिनल के अंदर डॉग स्क्वायड तैनात किया गया, जो संदिग्ध वस्तुओं की खोज में शामिल रहा। वहीं, संभावित विस्फोटक को सुरक्षित तरीके से संभालने और निष्क्रिय करने में मदद के लिए TCV (थ्रेट कंटेनमेंट व्हीकल) तैनात किया गया था, जिससे सिचुएशन को और अधिक यथार्थ तरीके से परखा जा सके।

इस पूरे अभ्यास का मकसद एयरपोर्ट की निकासी प्रक्रियाओं की प्रभावशीलता को परखना, विभिन्न एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में समन्वय की जांच करना और संकट-प्रतिक्रिया तंत्र को और मजबूत बनाना था। ड्रिल ने सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने, संचार व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा यह सुनिश्चित करने में सहायता की कि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल मानकों के अनुरूप हों। इसका मुख्य उद्देश्य किसी भी सुरक्षा संकट की स्थिति में एयरपोर्ट की आपातकालीन तैयारियों का व्यापक आकलन करना था।

यात्रियों को न्यूनतम परेशानी हो, इसके लिए JIAL टीम ने इस मॉक ड्रिल की योजना NOTAM अवधि के दौरान बनाई, ताकि सामान्य संचालन प्रभावित न हो। सभी आंतरिक और बाहरी हितधारकों के सहयोग से यह अभ्यास निर्धारित प्रक्रियाओं और मार्गदर्शन के अनुसार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

दिल्ली की हवा 'ज़हर' के स्तर पर:

600 AQI पहुंचते ही मचा हाहाकार

-कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव का बीजेपी पर साधा निशाना

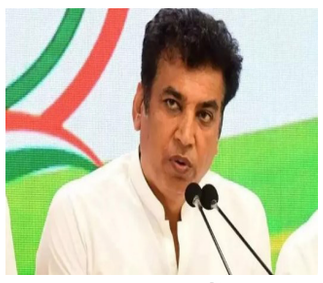

भोपाल। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हवा इन दिनों जहरीली होती जा रही है। लगातार बिगड़ती गुणवत्ता ने हालात को इतना गंभीर बना दिया है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) कई इलाकों में 600 के पार पहुंच गया है। यह स्तर स्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक माना जाता है।

प्रदूषण के बढ़ते खतरे को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट को एक बार फिर दखल देना पड़ा है। इसी बीच दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने प्रदूषण संकट को लेकर बीजेपी और आम आदमी पार्टी पर करारा हमला बोला है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण हर साल खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता है, लेकिन सरकारें केवल बयानबाजी तक सीमित रहती हैं। उन्होंने कहा कि सर्दी शुरू होते ही GRAP-4 जैसे आपातकालीन उपायों की जरूरत पड़ जाना दर्शाता है कि प्रदूषण नियंत्रण की तैयारियां बेहद कमजोर और लापरवाह थीं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह ही इस पर गंभीर चिंता जाहिर की थी और दिल्ली की हवा को 'बेहद गंभीर' बताते हुए कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद प्रदूषण 600 AQI से ऊपर पहुंच गया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि आखिर हर गंभीर मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट को क्यों हस्तक्षेप करना पड़ता है? उन्होंने कहा कि जल संकट, यमुना प्रदूषण, वायु गुणवत्ता, आवारा कुत्तों का आतंक और प्रशासनिक अधिकारों को लेकर दिल्ली सरकार और केंद्र के बीच टकराव—हर मामले में कोर्ट को आगे आकर निर्देश जारी करने पड़ते हैं।

यादव ने बीजेपी और AAP दोनों पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों से दिल्ली की जनता हर सर्दी एक जैसी समस्याओं का सामना कर रही है—जहरीली हवा, पानी की दिक्कतें, कूड़े के पहाड़ और यमुना की बदहाली। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में रहने वाली पार्टियां अपनी नाकामी स्वीकार नहीं करतीं और विपक्ष में रहने वाली पार्टियां अपने पुराने कार्यकाल की गलतियों पर पर्दा डालती रहती हैं। उन्होंने कहा, "जब सुप्रीम कोर्ट दिल्लीवासियों की सेहत को लेकर चिंतित है, तो सरकारें क्यों नहीं जाग रही? बयानबाजी से समस्या हल नहीं होती, सरकार को दीर्घकालीन और प्रभावी कदम उठाने होंगे।" दिल्ली की हवा लगातार खराब हो रही है और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच आम जनता का स्वास्थ्य सबसे बड़ा संकट बनता जा रहा है।

शेख हसीना पर प्रतिबंध:

अंतरिम सरकार ने मीडिया को दी कड़ी चेतावनी; 'भगोड़ी' के बयान छापने पर रोक

ढाका (एजेंसी) । बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश के सभी मीडिया संस्थानों (प्रिंट, टीवी और ऑनलाइन) को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बयानों को प्रकाशित या प्रसारित न करने की सख्त चेतावनी जारी की है। नेशनल साइबर सिक्योरिटी एजेंसी (NCSA) ने इस कदम के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया है।

दोषी और भगोड़ी घोषित

NCSA द्वारा जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि शेख हसीना अब दोषी और भगोड़ी करार दी जा चुकी हैं। एजेंसी का दावा है कि उनके बयानों से देश में हिंसा भड़क सकती है, अशांति फैल सकती है और सामाजिक भाईचारा टूट सकता है। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि दोषी और भगोड़े व्यक्ति का बयान दिखाना साइबर सुरक्षा कानूनों का उल्लंघन माना जाएगा, जिसके तहत कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

हत्या के आदेश पर मौत की सजा

सोमवार को ढाका की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (ICT) ने शेख हसीना को हत्या के लिए उकसाने और हत्या का आदेश देने के आरोप में मौत की सजा सुनाई। ICT ने उन्हें 5 मामलों में आरोपी बनाया था, जिनमें बाकी मामलों में उम्रकैद की सजा दी गई। ट्रिब्यूनल ने उन्हें जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं का मास्टरमाइंड बताया। इसी मामले में पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को भी फांसी की सजा सुनाई गई, जबकि पूर्व IGP अब्दुल्ला अल-ममून को 5 साल जेल की सजा मिली। हसीना और कमाल की संपत्ति जब्त करने का आदेश भी दिया गया है। सजा के ऐलान के बाद, अंतरिम पीएम मोहम्मद यूनुस ने भारत से हसीना को तुरंत प्रत्यर्पित (Deport) करने की मांग की है।

फैसले के खिलाफ 'बांग्लादेश बंद'

ICT के इस फैसले को शेख हसीना की बैन हो चुकी पार्टी अवामी लीग ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। पार्टी ने इस फैसले को पक्षपातपूर्ण और राजनीतिक बदला करार देते हुए आज देशभर में बंद का आह्वान किया है। अवामी लीग के नेता जहांगीर कबीर नानक ने अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस से तुरंत इस्तीफे की मांग की है और अदालत की प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुकदमा 14 अगस्त को शुरू हुआ और 17 नवंबर को फैसला आ गया, जिसमें 84 में से केवल 54 गवाहों की गवाही सुनी गई।

भारत का आधिकारिक बयान

इस गंभीर घटनाक्रम पर भारत के विदेश मंत्रालय (MEA) ने आधिकारिक बयान जारी किया है। भारत ने कहा कि उसने इस फैसले का संज्ञान लिया है और वह बांग्लादेश का करीबी पड़ोसी होने के नाते वहां के लोगों के हित, शांति, लोकतंत्र और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय ने आश्वासन दिया कि भारत बांग्लादेश की शांति और स्थिरता को ध्यान में रखते हुए सभी पक्षों के साथ रचनात्मक तरीके से बातचीत जारी रखेगा। यह विडंबना है कि हसीना को मौत की सजा सुनाने वाले इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल की स्थापना उन्होंने खुद 2010 में वॉर क्राइम्स के मामलों की जांच के लिए की थी।

दक्षिण चीन सागर में बढ़ा तनाव:

सेकंड थॉमस शोल पर फिलीपींस की सप्लाई मिशन के दौरान चीन ने रोका संचार

नई दिल्ली। दक्षिण चीन सागर के विवादित हिस्से सेकंड थॉमस शोल में एक बार फिर चीन और फिलीपींस के बीच तनाव बढ़ गया है। फिलीपींस सेना यहां अपनी नौसेना के नए अधिकारियों और आवश्यक सामान की आपूर्ति कर रही थी, तभी चीन ने इस क्षेत्र में संचार बाधित कर दिया। यह क्षेत्र लंबे समय से दोनों देशों के बीच विवाद का केंद्र रहा है, जहां चीन अपने जहाजों और सैनिकों की मजबूत मौजूदगी बनाए हुए है। सूत्रों के अनुसार, फिलीपींस ने इस मिशन के तहत खाद्य सामग्री, ईंधन और अन्य जरूरतों का सामान सेकंड थॉमस शोल में भेजा। पिछले वर्ष से अब तक फिलीपींस सेना बिना किसी बड़े टकराव के 12 बार ऐसे मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर चुकी है। लेकिन इस बार जैसे ही चीन को गतिविधि की जानकारी मिली, उसने संचार को बाधित कर दिया। माना जा रहा है कि चीन ने यह कदम इसलिए उठाया ताकि अमेरिकी और अन्य देशों के ड्रोन इस क्षेत्र की निगरानी न कर सकें। कई देशों ने दक्षिण चीन सागर में कानून व्यवस्था बनाए रखने में फिलीपींस की मदद करने का वादा किया है, जिसके कारण चीन की नाराजगी और बढ़ी है।

गौरतलब है कि जुलाई 2024 में चीन और फिलीपींस के बीच एक अस्थायी गैर-आक्रामक समझौता हुआ था, ताकि इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का टकराव न हो। हालांकि अगस्त में चीन ने अचानक यहां अपने तटरक्षक जहाजों, संदिग्ध मिलिशिया नौकाओं, भारी मशीनगन से लैस जहाजों, एक हेलिकॉप्टर और एक मानवरहित ड्रोन की तैनाती बढ़ा दी।

फिलीपींस के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि कई घंटों तक चले सप्लाई मिशन के दौरान चीन के सरकारी जहाजों ने संचार बाधित किया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अधिकारियों ने अपनी पहचान उजागर नहीं की और अतिरिक्त जानकारी देने से इनकार कर दिया। इसके बावजूद फिलीपींस की आपूर्ति टीम ने अपना मिशन सफलतापूर्वक पूरा किया और किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। चीन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। चीन पहले भी पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा दोहरा चुका है और फिलीपींस को कई बार चेतावनी दे चुका है कि वह सेकंड थॉमस शोल पर फंसे अपने सैन्य पोत BRP Sierra Madre को हटाए। बढ़ते तनाव के बीच यह क्षेत्र एक बार फिर भू-राजनीतिक टकराव के केंद्र में आ गया है।

दिल्ली में बम धमकी से हड़कंप:

3 अदालतें और 2 स्कूल खाली, पटियाला हाउस कोर्ट में NIA की पेशी से ठीक पहले आया मेल

नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार सुबह बड़ा सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया, जब राजधानी की तीन जिला अदालतों—साकेत, पटियाला हाउस और द्वारका कोर्ट—को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके साथ ही प्रशांत विहार और द्वारका स्थित दो स्कूलों को भी बम की धमकी दी गई, जिसके बाद सभी को खाली करवा लिया गया और मौके पर बम स्क्वॉड व पुलिस टीमें जांच में जुट गईं।

जानकारी के अनुसार धमकी भरा मेल कथित तौर पर जैश-ए-मोहम्मद नाम की एक मेल आईडी से भेजा गया था। जैसे ही मेल अधिकारियों तक पहुंचा, तुरंत सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। तीनों अदालतों के कैंपस में बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और तकनीकी टीमें तलाशी अभियान में लगी हुई हैं।

सबसे अधिक चिंता का माहौल इसलिए बना क्योंकि धमकी वाला मेल पटियाला हाउस कोर्ट में NIA द्वारा दिल्ली लाल किला कार ब्लास्ट केस के आरोपी जसीर बिलाल वानी की पेशी से ठीक पहले आया। बताया जाता है कि मेल करीब सुबह 11 बजे भेजा गया। इसकी संवेदनशीलता को देखते हुए कोर्ट परिसर में रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) भी तैनात की गई। जसीर बिलाल उर्फ दानिश, मामले में मारे गए आतंकी डॉ. उमर का करीबी बताया जाता है।

उधर, सुबह करीब 9 बजे प्रशांत विहार और द्वारका के CRPF स्कूलों में बम होने की सूचना देकर एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस को कॉल किया। टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और एहतियातन स्कूलों को खाली कराया गया। बाद में फोन करने वाले का मोबाइल स्विच ऑफ मिल रहा है और उसकी तलाश जारी है।

साकेत कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव धीर सिंह कसाना ने बताया कि अदालत की कार्यवाही लगभग दो घंटे के लिए रोकी गई थी, जिसे लंच के बाद फिर से शुरू किया गया। पटियाला हाउस कोर्ट में भी कार्रवाई थोड़े समय के लिए रुकी थी, लेकिन दोबारा चालू कर दी गई।

जांच के दौरान कोर्ट कैंपस और स्कूलों में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने इसे "अफवाह" करार दिया है, हालांकि पुलिस अब भी मेल और फोन कॉल के स्रोत का पता लगा रही है।

इन धमकियों ने दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को एक बार फिर चुनौती दी है और मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

माता-पिता के प्रति बढ़ती बेरुखी का दर्दनाक सच

माता-पिता और संतानों के रिश्ते को समाज में सबसे पवित्र और मजबूत बंधन माना जाता रहा है। यह वही रिश्ता है जिसमें माता-पिता अपनी पूरी जिंदगी, अपनी मेहनत, अपना आराम और अपने सपने तक खपा देते हैं, ताकि संतानें काबिल बनें, सुरक्षित रहें और जीवन में आगे बढ़ें। बदले में उनकी एक ही उम्मीद होती है—बुज़ुर्गी में कोई उनका सहारा बने, उनकी परवाह करे और सम्मान दे। लेकिन बदलते समय में यह उम्मीद कहीं न कहीं टूटती दिख रही है। कई मामलों में संतानें माता-पिता के प्रति न केवल उदासीन होती जा रही हैं, बल्कि उनके अधिकार छीनने तक की कोशिश करने लगी हैं। यह बदलाव केवल सामाजिक गिरावट नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के टूटते रूप की ओर भी इशारा करता है। मुंबई हाईकोर्ट में सुना गया हाल का मामला इसी चिंताजनक प्रवृत्ति की एक झलक पेश करता है। एक युवक ने अपने ही बुजुर्ग माता-पिता को इलाज के लिए मुंबई आने पर उनके घर में आने से रोकने की याचिका दायर की। जिस बेटे को माता-पिता ने पाल-पोसा, शिक्षित किया और जीवन की हर मुश्किल से बचाया, उसी ने उन्हें अदालत में घसीटने का कदम उठा लिया। अदालत को टिप्पणी करनी पड़ी कि वह बेटा श्रवण कुमार की तरह माता-पिता को तीर्थ कराने की जगह उन्हें कोर्ट तक ले आया है। अदालत ने इस याचिका को न सिर्फ ख़ारिज किया, बल्कि यह भी समझाया कि माता-पिता के प्रति ऐसा रवैया न केवल नैतिक रूप से गलत है, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी शर्मनाक है। इसी तरह राजस्थान हाईकोर्ट के एक मामले में बेटे ने पिता की स्व-अर्जित संपत्ति पर अपना अधिकार जताते हुए उनके खिलाफ अपील दायर की थी। अदालत ने सख्त कार्रवाई करते हुए न सिर्फ उसकी अपील ख़ारिज की, बल्कि उस पर हर्जाना भी लगाया। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि वयस्क बेटे-बेटियों का माता-पिता की स्वयं कमाई हुई संपत्ति पर कोई कानूनी अधिकार नहीं है जब तक माता-पिता स्वयं उसे न देना चाहें। यह फैसला ऐसे बढ़ते मामलों पर कड़ा संदेश है जिसमें संतानें माता-पिता को केवल संपत्ति प्राप्त करने का साधन समझने लगती हैं। इन घटनाओं से समाज के भीतर हो रहे भावनात्मक बदलाव का आईना साफ दिखाई देता है। कभी परिवार को सिर्फ रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का केंद्र माना जाता था। बुजुर्गों की उपस्थिति को घर की सबसे बड़ी पूंजी समझा जाता था। उनकी सलाह, अनुभव और दुआएं परिवार को दिशा देने वाली रोशनी की तरह होती थीं। लेकिन आज कई घरों में हालात उलटते नजर आते हैं। तेज़ भागती आधुनिक जीवनशैली, अत्यधिक व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और 'मेरी जिंदगी-मेरे फैसले' वाले विचार ने सामूहिक परिवार और आपसी सम्मान के मूल सिद्धांतों को कमजोर किया है। इससे माता-पिता और संतान के बीच मौजूद गरमाहट और अपनापन कम होता जा रहा है।

आर्थिक विकास: जीडीपी की सीमाओं से आगे बढ़कर समावेशी, मानवीय और टिकाऊ प्रगति का मॉडल अपनाएं

-आर्थिक विकास को नई दिशा: समावेशी और मानवीय मॉडल की जरुरत

आर्थिक प्रगति और विकास के मापदंडों पर बहस कोई नई चीज़ नहीं है। सदियों से इंसानी समाज यह समझने की कोशिश करता रहा है कि असल तरक़्क़ी किसे कहते हैं और इसे किस तरह मापा जाए। हर दौर में किसी न किसी संकेतक (Indicator) को प्रगति का पैमाना बनाया गया—कहीं कृषि उत्पादन को तरक़्क़ी का आधार माना गया, तो कहीं व्यापार, बाज़ार और औद्योगिक विस्तार को। लेकिन आधुनिक समय में एक ऐसा पैमाना उभरकर सामने आया, जिसने लगभग पूरी दुनिया को अपनी सोच के दायरे में बाँध दिया—यह पैमाना है सकल घरेलू उत्पाद (GDP)। यह सही है कि जीडीपी किसी देश की अर्थव्यवस्था को समझने का एक महत्त्वपूर्ण साधन है। यह बताता है कि एक साल या एक तय अवधि में देश के भीतर कितने माल और सेवाएं (Goods & Services) पैदा हुईं, कितनी आमदनी हुई और बाजार में कितनी हलचल रही। लेकिन सवाल यह है कि क्या एक देश की असली तरक्की सिर्फ इन आर्थिक संख्याओं से मापी जा सकती है? क्या बढ़ते हुए आंकड़े यह गारंटी देते हैं कि समाज खुशहाल भी हो रहा है? क्या ऊंची जीडीपी वाले देश हमेशा बेहतर और संतुलित जीवन जीने वाले देशों में गिने जा सकते हैं? इन्हीं सवालों ने आज दुनिया को सोचने पर मजबूर कर दिया है। भारत जैसे विशाल और विविधता से भरे देश में तो यह बहस और भी अहम हो जाती है, क्योंकि यहाँ सामाजिक न्याय, जीवन की गुणवत्ता, अवसरों की समानता और पर्यावरणीय संतुलन जैसे मुद्दे आर्थिक संकेतकों जितने ही ज़रूरी हैं।

जीडीपी का पैमाना: क्या यह सचमुच पूरी सच्चाई बयान करता है?

जीडीपी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह हमें देश की आर्थिक गतिविधि का एक स्पष्ट और

आसान चित्र देता है। लेकिन इसी के साथ इसकी कुछ बुनियादी सीमाएं भी हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता।

जीडीपी इंसानी खुशहाली नहीं मापती

किसी देश की आमदनी लाखों-करोड़ों में बढ़ सकती है, लेकिन अगर नागरिक तनाव में हैं, मानसिक स्वास्थ्य गिर रहा है, या सामाजिक असमानता बढ़ रही है, तो क्या इसे असली तरक्की माना जा सकता है? जाहिर है, नहीं।

जीडीपी में यह नहीं देखा जाता कि लोगों का जीवन स्तर कितना सुधरा, या लोग कितने संतुष्ट और खुश हैं।

जीडीपी पर्यावरणीय नुकसान को नजरअंदाज़ करती है

अगर कोई देश जंगल काटकर, नदियां प्रदूषित करके या प्राकृतिक संसाधन नष्ट करके उद्योग बढ़ाता है, तो जीडीपी बढ़ती है। लेकिन इस तरह की वृद्धि स्थायी नहीं होती।

जीडीपी यह नहीं बताती कि इस विकास की पर्यावरणीय कीमत क्या चुकानी पड़ी।

सामाजिक असमानता को छिपा देती है

अगर देश में सिर्फ अमीरों की आमदनी बढ़े और गरीब वहीं रहें जहाँ थे, तो भी जीडीपी बढ़ सकती है।

लेकिन यह विकास अधूरा और असंतुलित होता है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे तत्व बाहर छूट जाते हैं

किसी प्रदेश का जीडीपी ऊँचा हो सकता है, पर वहां— सरकारी स्कूल जर्जर हों, अस्पतालों में सुविधाएं कम हों, महिलाएं सुरक्षित महसूस न करें, बेरोज़गारी बढ़ रही हो, तो क्या उस प्रदेश को विकसित कहा जाएगा? बिल्कुल नहीं।

चुनौती यह है कि विकास को सिर्फ आर्थिक पैमाने तक सीमित नहीं रखा जाए

भारत जैसे देश में विकास का अर्थ सिर्फ यह नहीं हो सकता कि फैक्ट्रियाँ बढ़ती जाएं, शहर चमकते जाएं, और बाजारों में उपभोग बढ़ता जाए। यहाँ यह भी ज़रूरी है कि— गरीब परिवारों को बेहतर अवसर मिलें, गांवों में जीवन स्तर सुधरे, बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, युवा रोजगार पाएँ, महिलाएं निर्भय होकर आगे बढ़ें, प्रकृति सुरक्षित रहे, विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी (Inclusive) हो—यानि किसी को पीछे न छोड़े। और जब वह मानवीय (Human-centric) हो—यानि इंसान को केंद्र में रखकर नीतियाँ बनाई जाएँ।

साथ ही वह टिकाऊ (Sustainable) भी हो—यानि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से खिलवाड़ न करे।

वैकल्पिक मापदंड: दुनिया जीडीपी से आगे जाने की कोशिश कर रही है

जब जीडीपी की सीमाएं स्पष्ट दिखने लगीं, तो अर्थशास्त्रियों और नीतिनिर्माताओं ने नए पैमानों पर काम शुरू किया। इनमें कुछ बेहद महत्वपूर्ण हैं—

मानव विकास सूचकांक (HDI): संयुक्त राष्ट्र द्वारा शुरू किया गया यह सूचकांक तीन मुख्य तत्वों पर आधारित है— जीवन प्रत्याशा (Health) शिक्षा का स्तर (Education) आय (Income) यह मॉडल बताता है कि किसी देश की असली प्रगति तभी समझी जा सकती है, जब उसकी जनता— लंबा और स्वस्थ जीवन जीती हो, पढ़ी-लिखी और जागरूक हो, और सम्मानजनक आय प्राप्त करती हो। भारत ने इस सूचकांक में सुधार किया है, लेकिन अभी भी लंबा सफर बाकी है।

भूटान का सकल राष्ट्रीय खुशी सूचकांक (GNH): भूटान ने दुनिया को एक अनोखा विचार दिया— "विकास का असली उद्देश्य खुशहाल समाज बनाना है।" इस सूचकांक में चार प्रमुख स्तंभ हैं— मानसिक शांति और आध्यात्मिक संतोष, पर्यावरणीय संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत, अच्छी सरकार (Good Governance) यह मॉडल बताता है कि तरक्की सिर्फ भौतिक साधनों का नाम नहीं, बल्कि इंसानी संतोष, सामाजिक बंधन और प्रकृति के साथ तालमेल का भी नाम है।

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI)

यह गरीबी को सिर्फ आय के आधार पर नहीं, बल्कि— शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी सुविधाएं, पोषण, साफ पानी, स्वच्छता, जैसे तत्वों के आधार पर मापता है। यह मॉडल उन समस्याओं को उजागर करता है जिन्हें जीडीपी नहीं दिखा पाती।

भारत की स्थिति: बढ़ती जीडीपी, लेकिन क्या समग्र विकास?

भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यहाँ— विदेशी निवेश बढ़ रहा है, उद्योगों का विस्तार हो रहा है, स्टार्टअप संस्कृति मजबूत हो रही है, तकनीक के क्षेत्र में भारत नई ऊँचाइयों को छू रहा है। लेकिन साथ ही कुछ बड़ी चुनौतियाँ भी मौजूद हैं— ग्रामीण-शहरी असमानता गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, बेरोज़गारी, शिक्षा की कमजोर गुणवत्ता, प्रदूषण, जल संकट, महिलाओं की सुरक्षा, इन सबको सिर्फ जीडीपी के आंकड़े छुपा नहीं सकते। इसलिए जरूरत यह है कि भारत एक बेहतर, व्यापक और मानवीय विकास मॉडल अपनाए।

आर्थिक विकास का नया मॉडल: समावेशी, मानवीय और टिकाऊ दृष्टिकोण

भारत को अपने विकास के पैमाने को बदलना होगा—गति (Speed) से ज्यादा दिशा (Direction) ज़रूरी है। नीचे ऐसे ही कुछ बिंदु हैं जिन पर भारत को आगे बढ़ना चाहिए—

शिक्षा को विकास का आधार बनाना होगा: सच्चा विकास वही है जिसमें— हर बच्चा पढ़ सके, हर स्कूल में शिक्षक, प्रयोगशाला, लाइब्रेरी और डिजिटल सुविधाएं हों, शिक्षा रोजगार से जुड़े कौशल (Skills) दे। अगर शिक्षा मजबूत हो जाए तो जीडीपी अपने आप टिकाऊ तरीके से बढ़ने लगेगी।

स्वास्थ्य सेवाएं आम नागरिक तक पहुंचें: जितना बड़ा देश, उतनी ही बड़ी स्वास्थ्य ज़रूरतें। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि— अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ें।

चिकित्सा शिक्षा में फैकल्टी की कमी: मेडिकल कॉलेजों के सामने सबसे बड़ी चुनौती

-गेस्ट फैकल्टी, गैर-चिकित्सक शिक्षक और नई नीतियों से समाधान की तलाश

भारत में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता और उसके सामने खड़ी चुनौतियों पर इस समय ज़ोरदार चर्चा चल रही है। सबसे बड़ी समस्या जो लगातार सामने आ रही है, वह है मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी की कमी—चाहे वह सरकारी हों या प्राइवेट। यह मुद्दा केवल राजस्थान का नहीं, बल्कि देश के अधिकांश राज्यों का दर्द बन चुका है। पिछले एक दशक में मेडिकल कॉलेजों की संख्या भले ही दोगुनी हो गई हो, लेकिन उतनी तेजी से योग्य और अनुभवी शिक्षक तैयार नहीं हो पाए। ऐसे में मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य दोनों दांव पर नजर आते हैं।

मेडिकल कॉलेज तेजी से बढ़े, पर शिक्षक नहीं

भारत में चिकित्सा शिक्षा को सशक्त बनाने के उद्देश्य से पिछले 10–12 वर्षों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। केंद्र सरकार ने नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, जिला अस्पतालों के साथ जुड़ाव और सीटों में बढ़ोतरी पर जोर दिया। नतीजा यह निकला कि: 10 वर्षों में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई। MBBS और PG सीटों में भी तेज़ी से बढ़ोतरी हुई। लेकिन इस विस्तार की रफ्तार फैकल्टी उपलब्धता की गति से कहीं अधिक तेज रही। एक तरफ नए कॉलेज खुलते गए, दूसरी ओर पुराने कॉलेजों में भी स्टाफ की कमी बनी रही। स्थिति यह है कि आज देश के करीब 800 मेडिकल कॉलेजों में से लगभग 50% कॉलेज आधे-अधूरे शिक्षकों के सहारे चल रहे हैं। कहने को इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत हो गया, लेकिन शिक्षा देने वालों की संख्या बेहद कम है। यह अंतर आज चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रहा है।

हाईकोर्ट से लेकर संसद की समितियाँ भी चिंतित

फैकल्टी की कमी अब सिर्फ एक प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुकी है। राजस्थान हाईकोर्ट पहले ही सरकार से जवाब मांग चुका है कि कॉलेज बिना शिक्षकों के कैसे संचालित हो रहे हैं। संसदीय स्थायी समिति ने भी अपनी रिपोर्ट में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया है। यह चेतावनियाँ बताती हैं कि समस्या गहरी है और सिर्फ कागजों में कॉलेज खोलने मात्र से चिकित्सा प्रणाली मजबूत नहीं सकती।

किन विभागों में फैकल्टी की सबसे ज्यादा कमी?

हालात और चुनौती तब और बड़ी हो जाती है जब बात स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी विभागों की आती है। इन विभागों के लिए अत्यधिक प्रशिक्षित, अनुभवी और उच्च योग्यता वाले डॉक्टर-शिक्षक चाहिए होते हैं। सबसे अधिक कमी इन विभागों में पाई जा रही है— रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, पीडियाट्रिक सर्जरी, नेफ्रोलॉजी, कार्डियक एनेस्थीसिया, न्यूरोसर्जरी, ऑन्कोलॉजी, इन विभागों में विशेषज्ञ डॉक्टर वैसे भी कम उपलब्ध होते हैं। ऊपर से सरकारी कॉलेजों की वेतन प्रणाली, प्रमोशन की धीमी प्रक्रिया, और कई बार सुविधाओं की कमी अनुभवी विशेषज्ञों को फैकल्टी बनने की प्रेरणा नहीं दे पाती।

रिक्त पद भरने में लग जाते हैं 3–4 साल

स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्य सरकारें दावा करती हैं कि भर्ती प्रक्रिया जारी है, लेकिन वास्तविकता यह है कि— एक मेडिकल कॉलेज में फैकल्टी भर्ती की प्रक्रिया विज्ञापन से लेकर जॉइनिंग तक 3–4 साल ले लेती है। इस बीच कॉलेज शॉर्ट-टर्म एडजस्टमेंट, अटैचमेंट, डेप्युटेशन और गेस्ट लेक्चरर्स के भरोसे चलता रहता है। नई फैकल्टी तैयार भी नहीं हो पाती, क्योंकि पोस्टग्रेजुएट डॉक्टरों की संख्या सीमित है और उनमें से ज्यादातर क्लीनिकल प्रैक्टिस में जाते हैं, न कि टीचिंग में।

बिना प्लानिंग के नए मेडिकल कॉलेज खोलना — समस्या की जड़

कई स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि फैकल्टी की कमी की सबसे बड़ी वजह है— बिना उचित मानव संसाधन योजना के मेडिकल कॉलेजों का खुल जाना। इमारत, बुनियादी ढांचा और उपकरण लगाना आसान है। लेकिन उनमें पढ़ाने के लिए अनुभवी फैकल्टी तैयार करना समयसाध्य और जटिल प्रक्रिया है। सरकारों पर राजनीतिक और जनस्वीकृति का दबाव रहता है, इसलिए वे नए मेडिकल कॉलेज की घोषणा कर देती हैं, जबकि टीचिंग स्टाफ के लिए कोई दीर्घकालिक योजना नहीं होती। इसका नतीजा यह होता है कि— कॉलेज अस्थायी रूप से खुले रहते हैं, फैकल्टी तदर्थ और गेस्ट पर निर्भर रहती है, और मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता कम होने लगती है।

NMC का समाधान—गैर-चिकित्सक शिक्षकों का 30% कोटा

फैकल्टी की कमी को देखते हुए नेशनल मेडिकल काउंसिल (NMC) ने हाल ही में एक अहम फैसला लिया। अब मेडिकल कॉलेजों में 30% तक गैर-चिकित्सक शिक्षकों को अनुमति दी गई है— खासकर इन विभागों में: एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी, इन विषयों में पीएचडी धारक, वैज्ञानिक, शोधकर्ता और पारंगत गैर-एमबीबीएस शिक्षक अब कॉलेजों में पढ़ा सकेंगे। यह कदम मेडिकल शिक्षा में राहत तो देता है, लेकिन आलोचकों का कहना है कि— क्लीनिकल अनुभव के बिना मेडिकल शिक्षा अधूरी रहती है। छात्रों का मरीजों से जुड़ाव कमजोर पड़ सकता है। बुनियादी मेडिकल साइंस को समझना आसान होगा, पर क्लिनिकल अप्रोच कमजोर रह सकता है। इसके बावजूद, तत्काल समस्या को देखते हुए यह कदम व्यवहारिक माना जा रहा है।

गेस्ट फैकल्टी — एक अच्छा लेकिन अस्थायी विकल्प

फैकल्टी की कमी के बीच गेस्ट फैकल्टी मॉडल सामने आया है। इसके फायदे हैं: अनुभवी डॉक्टर समय मिलने पर पढ़ा सकते हैं, छात्रों को विशेषज्ञ जानकारी मिलती है, कॉलेजों पर स्थायी भर्ती का बोझ कम होता है, सुपर स्पेशलिटी में क्वालिटी बनी रहती है, गेस्ट फैकल्टी का उपयोग कई प्रतिष्ठित संस्थान करते रहे हैं— AIIMS से लेकर बड़े मेडिकल कॉलेजों तक।

दिल्ली ब्लास्ट: तुर्की–पाक गठजोड़ के बीच भारत को संतुलित, पर दृढ़ कूटनीतिक रणनीति अपनानी होगी

-लाल किले के पास धमाके ने बताई नई हाइब्रिड आतंकी चुनौती

हाल ही में दिल्ली में लाल किले के निकट हुआ कार बम धमाका केवल एक आतंकी घटना नहीं, बल्कि भारत की आंतरिक सुरक्षा, विदेश नीति और क्षेत्रीय कूटनीतिक संतुलन के लिए गंभीर चुनौती है। प्रारम्भिक जांच रिपोर्टें बताती हैं कि यह घटना मात्र स्लीपर सेल की हरकत नहीं, बल्कि इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय लिंक भी मौजूद हैं। तुर्की और पाकिस्तान का नाम सामने आने से यह मामला और भी संवेदनशील हो गया है।

दिल्ली ब्लास्टः एक चेतावनी संकेत

लाल किले जैसे हाई-सिक्योरिटी ज़ोन के पास विस्फोट होना सुरक्षा तंत्र की गंभीर परीक्षा है। यह हमला बताता है कि आतंकी मॉड्यूल अभी भी सक्रिय हैं और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के साथ जुड़े हो सकते हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, यह घटना लो-इंटेंसिटी अटैक नहीं बल्कि एक संदेश देने वाला हमला था— भारत को राजनीतिक स्तर पर अस्थिर करना, सुरक्षा एजेंसियों को चुनौती देना, वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को प्रभावित करना

आतंकवाद का बदलता स्वरूप

अंतरराष्ट्रीय समर्थन + स्थानीय स्लीपर सेल का गठजोड़ गत वर्षों में देखा गया है कि कई देशों में आतंकी समूहों को राज्य-प्रायोजित समर्थन मिल रहा है। तकनीक, एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन और डिजिटल फंडिंग ने आतंकवाद को कहीं अधिक जटिल बनाया है। भारत में आतंकवाद अब दो मोर्चों पर काम करता दिखाई देता है— स्थानीय स्तर पर छिपे स्लीपर सेल, विदेशों में बैठे नेटवर्क जो फंडिंग, प्रशिक्षण और लॉजिस्टिक सपोर्ट देते हैं।

तुर्की और पाकिस्तान की संभावित भूमिका

तुर्की: तुर्की पिछले कुछ वर्षों में दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयास में रहा है। तुर्की और पाकिस्तान के बीच रक्षा, खुफिया तथा तकनीकी सहयोग लगातार बढ़ा है। भारत विरोधी संगठनों को परोक्ष रूप से समर्थन मिलने की आशंका सुरक्षा विशेषज्ञों ने पहले भी जताई है। ऑपरेशन सिंदूर में मिले साक्ष्य भी इसी ओर इशारा करते हैं कि तुर्की के कुछ नेटवर्क भारतीय हितों के खिलाफ सक्रिय हैं। तुर्की ने इन आरोपों का खंडन किया है, परंतु— घटनाओं की श्रृंखला, डिजिटल ट्रैफिक, इंटरसेप्टेड कम्युनिकेशन से शक की परतें गहरी होती हैं।

पाकिस्तान

पाकिस्तान का रवैया पहले से ही दोहरे मानदंड वाला रहा है। वहां की सरकार के साथ-साथ मीडिया भी इस घटना को "सामान्य घरेलू विवाद" जैसा बताकर भारत की गंभीर चिंताओं को कमतर दिखाने की कोशिश कर रहा है। यह रवैया परोक्ष रूप से आतंकियों का मनोबल बढ़ाता है। कई बार पाकिस्तान की ज़मीन आतंकवादियों को— प्रशिक्षण, हथियार, लॉजिस्टिक सपोर्ट, देने का आधार बनती रही है।

भारत के सामने उभरती बहुआयामी सुरक्षा चुनौतियाँ

भारत को दो समानांतर मोर्चों पर लड़ना है—

आंतरिक सुरक्षा मोर्चा: शहरों में सक्रिय स्लीपर सेल, सोशल मीडिया के जरिए भड़काने वाले मॉड्यूल, डिजिटल फंडिंग चैनल, सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से हथियारों की स्मगलिंग

बाहरी/कूटनीतिक मोर्चा

तुर्की जैसे नए भू-राजनीतिक खिलाड़ी, पाकिस्तान का पुराना नेटवर्क, पश्चिम एशिया की बदलती राजनीति, अफगानिस्तान में अस्थिरता का प्रभाव, वैश्विक महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा का दक्षिण एशिया में असर, इन दोनों को जोड़कर देखें तो ये चुनौतियाँ गंभीर और लंबी अवधि की हैं।

भारत के लिए आवश्यक रणनीतिक व कूटनीतिक कदम: भारत को संतुलित, पर दृढ़ और बहुस्तरीय नीति अपनानी होगी। नीचे मुख्य बिंदु दिए जा रहे हैं—

तुर्की के साथ कड़ी लेकिन संतुलित कूटनीति

भारत को तुर्की के साथ अपने संबंध पूरी तरह न तोड़ने चाहिए, क्योंकि तुर्की— NATO का सदस्य है पश्चिम एशिया में अहम प्रभाव रखता है परंतु, भारत को यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि— किसी भी स्तर पर आतंकवादी समर्थन या सहयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तुर्की की खुफिया एजेंसी के संदिग्ध कार्यों पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ध्यान दिलाया जाए। भारत-तुर्की व्यापारिक सहयोग को सुरक्षा नियमों के अनुसार पुनः परखा जाए।

पाकिस्तान के प्रति कठोर रुख जारी रखना

पाकिस्तान की नीतियों में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद कम है। भारत को— FATF जैसे मंचों पर उसका दबाव बढ़ाना, सीमा सुरक्षा और निगरानी मजबूत करना, अंतरराष्ट्रीय समुदाय में पाक प्रायोजित आतंकवाद को उजागर करना जारी रखना चाहिए। पाकिस्तान के प्रचार तंत्र (मीडिया + सोशल प्लेटफॉर्म) का तथ्यात्मक स्तर पर जवाब देना आवश्यक है।

अंतरराष्ट्रीय साझेदारी और खुफिया सहयोग मजबूत करना

भारत को उन देशों के साथ खुफिया सहयोग बढ़ाना होगा जो आतंकवाद के खिलाफ सक्रिय हैं— अमेरिका, फ्रांस, इज़राइल, यूएई, सऊदी अरब, ब्रिटेन इन देशों के साथ— साइबर इंटेलिजेंस, फाइनेंशियल ट्रैकर, आतंकी सोशल नेटवर्किंग की निगरानी, में साझेदारी से भारत की क्षमताएं बढ़ेंगी। आज का आतंकवाद डिजिटल है। भारत को— डार्क वेब मॉनिटरिंग क्रिप्टो करेंसी ट्रैकिंग AI आधारित मॉड्यूल पहचान डिजिटल फेक न्यूज और प्रोपेगेंडा पर रोक जैसे क्षेत्रों में और गहराई से कार्य करना होगा।

आंतरिक पुलिसिंग व खुफिया एजेंसियों में सुधार

मल्टी-एजेंसी कोऑर्डिनेशन और तेज निर्णय, राज्यों के ATS और NIA के बीच सीधा डेटा साझा, मेट्रो शहरों में हाई-टेक सर्विलांस, खासकर दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे शहरों में जीरो-टॉलरेंस फ्रेमवर्क

आतंकवाद पर वैश्विक नैरेटिव में भारत की भूमिका

भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह मुद्दा उठाना चाहिए कि— आतंकवाद को किसी भी रूप में "जस्टिफाई" करना खतरनाक मिसाल है। किसी देश द्वारा आतंकवादियों को "राजनीतिक असहमति" की आड़ देकर बचाना अस्वीकार्य होना चाहिए। भारत की मांग स्पष्ट होनी चाहिए— आतंकवाद के खिलाफ कोई दोहरा रवैया नहीं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जल संचयन में देशभर में नई पहचान बना रहा जयपुर

- राष्ट्रीय जल संचय जन भागीदारी अवॉर्ड्स में जयपुर जिले ने हासिल किया द्वितीय पुरस्कार

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व और राज्य सरकार की जल संरक्षण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप जयपुर जिला जल संचयन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन, स्पष्ट प्राथमिकताओं और जल सुरक्षा को राज्य के विकास एजेंडे के केंद्र में रखने की नीति ने जिला प्रशासन को जल संरक्षण को एक जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जयपुर जिले में जल संचयन की परंपरागत और आधुनिक दोनों पद्धतियों को एकीकृत कर व्यापक स्तर पर कार्य किया गया, जिसके फलस्वरूप जिले को राष्ट्रीय जल संचय जनभागीदारी अवॉर्ड्स में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। मंगलवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित छठे राष्ट्रीय जल संचय जन भागीदारी सम्मान समारोह में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने जयपुर जिले को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया और प्रशस्ति पत्र के साथ 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। यह राशि जिले में उन्नत जल संरक्षण मॉडल विकसित करने, तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा देने और ग्राम स्तर पर जल सुरक्षा परियोजनाओं के विस्तार में उपयोग की जाएगी। जिला कलक्टर डॉ. सोनी के प्रतिनिधित्व में यह पुरस्कार जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा ने ग्रहण किया। जयपुर जिले में जल संरक्षण कार्यों की श्रृंखला व्यापक और प्रभावी रही है।

फार्म पॉण्ड, रिचार्ज शाफ्ट, सोक पिट, मैजिक पिट, कंटूर ट्रेंच, परकोलेशन टैंक तथा ग्राम स्तर पर वर्षाजल भंडारण से संबंधित कई नवाचारी संरचनाओं का बड़े पैमाने पर निर्माण किया गया। इन कार्यों ने जिले की जल धारण क्षमता को अनेक गुना बढ़ाया है और भूजल पुनर्भरण में उल्लेखनीय सुधार का मार्ग प्रशस्त किया है। जयपुर जिले द्वारा किए गए कार्यों का सत्यापन केन्द्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा नियुक्त केंद्रीय भू-जल बोर्ड के अधिकारियों की टीम द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा जल संरक्षण कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर सफल बनाने के लिए प्रशासनिक, तकनीकी एवं सामुदायिक सहभागिता को केंद्र में रखने के निर्देशों का बेहतरीन प्रभाव जयपुर में देखने को मिला, जहाँ जिला प्रशासन, पंचायत राज संस्थाओं, जलदाय विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण विकास विभाग और वन विभाग सहित विभिन्न इकाइयों के बीच उत्कृष्ट समन्वय स्थापित हुआ। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में एक सुव्यवस्थित और परिणाम उन्मुख कार्ययोजना तैयार की गई, जिसके अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक और ग्राम पंचायत में जल संरक्षण अवसंरचना के विस्तार पर बल दिया गया। अभियान के संचालन के दौरान नियमित मॉनिटरिंग, साइट निरीक्षण और प्रगति समीक्षा ने कार्यों की गति और गुणवत्ता दोनों को सुनिश्चित किया। मुख्यमंत्री के 'जल सुरक्षा -सशक्त राजस्थान' संकल्प के अनुरूप स्थानीय समुदायों को भी इस अभियान का सक्रिय भागीदार बनाया गया, जिसका सकारात्मक प्रभाव जल संरचनाओं के संरक्षण और उपयोगिता पर दीर्घकालिक रूप से देखने को मिलेगा। जयपुर की यह राष्ट्रीय उपलब्धि न केवल जिले की प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है, बल्कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जल संरक्षण को राज्यव्यापी प्राथमिकता बनाए जाने की नीति की उल्लेखनीय सफलता भी दर्शाती है। यह उपलब्धि राजस्थान के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणादायक है, जहाँ जयपुर मॉडल को भविष्य में जल सुरक्षा और भूजल प्रबंधन के क्षेत्र में एक सशक्त दृष्टांत के रूप में अपनाया जा सकेगा।

शाहपुरा में उपजिला एवं ट्रोमा अस्पताल का निर्माण फिर अधर में

-आवंटित भूमि असुरक्षित, पीडीकोर की रिपोर्ट से खुलासा
-विधायक यादव ने लगाये गंभीर आरोप

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय विधायक मनीष यादव ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाये है विधायक ने पत्र लिखकर मुख्य मंत्री से उपयुक्त भूमि चयन करवाकर अस्पताल का निर्माण शीघ्र करवाए जाने की मांग की हैं। शाहपुरा में प्रस्तावित उपजिला एवं ट्रोमा अस्पताल का निर्माण एक बार फिर देरी की भेंट चढ़ता दिखाई दे रहा है। वर्ष 2023-24 के बजट में घोषणा होने के बावजूद दो वर्ष बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। इसी बीच पीडीकोर लिमिटेड की रिपोर्ट ने मामले को और गंभीर बना दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 अक्टूबर 2025 को तमिया स्टेडियम के पास राजस्व ग्राम शाहपुरा के खसरा नंबर 3351/5708, 3351/5778 और 3352 से कुल 69300 वर्गमीटर भूमि में से 20027 वर्गमीटर क्षेत्र अस्पताल निर्माण के लिए आवंटित किया गया था। लेकिन 17 नवंबर 2025 को पीडीकोर के क्षेत्रीय परियोजना प्रबंधन प्रमुख सुनील कुमार अग्रवाल द्वारा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिशासी

अभियंता को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि यह भूमि बहाव क्षेत्र में स्थित है तथा अस्पताल निर्माण के लिए पूर्णतः असुरक्षित एवं अनुपयुक्त है। गौरतलब है कि इस मुद्दे को शाहपुरा विधायक द्वारा 4 जुलाई 2025 को विधानसभा के मानसून सत्र में भी उठाया गया था। उस समय चिकित्सा मंत्री ने जवाब दिया था कि 28 मई 2025 को ई-निविदा जारी की गई थी, परंतु भूमि का क्षेत्रफल कम एवं अनुपयुक्त पाए जाने के कारण निविदा निरस्त कर दी गई। मंत्री ने यह भी कहा था कि उपयुक्त भूमि आवंटन के बाद पुनः निविदा जारी की जाएगी। विधायक ने तब भी दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने और 307 लाख रुपये की स्वीकृति मिलने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ न होने को सरकार की गंभीर लापरवाही बताया था। विधायक का आरोप है कि सरकार बार-बार स्थान बदल रही है और पहले उपयुक्त बताई गई भूमि को बाद में अनुपयुक्त घोषित किया जा रहा है। विधायक ने यह भी कहा कि सरकार द्वारा तमिया स्टेडियम के पास बहाव क्षेत्र में भूमि आवंटन नियमों को दरकिनार कर व्यक्तिगत लाभ के उद्देश्य से किया गया था और इस प्रक्रिया में न तो स्थानीय जनता से राय ली गई और न ही स्थानीय विधायक से कोई परामर्श लिया गया। विधायक यादव ने कहा की शाहपुरा क्षेत्र की जनता लंबे समय से एक सुसज्जित ट्रोमा एवं उपजिला अस्पताल की प्रतीक्षा कर रही है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए विधायक ने सरकार से मांग की है कि घनी आबादी के पास नगर परिषद् व आस पास के क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित एवं उपयुक्त भूमि का पुनः चयन किया जाए जिसमे जनता व स्थानीय विधायक की राय ली जावे और निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कर क्षेत्रवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के शासन सचिव ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

जयपुर। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के शासन सचिव अनिल मलिक ने मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से मुलाकात की तथा राज्य में महिला एवं बाल विकास से संबंधित केंद्र प्रवर्तित योजनाओं एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं, नवाचारों से धरातल पर आए बदलाव पर चर्चा की। मलिक ने इन योजनाओं के बेहतर संचालन और प्रगति के लिए राजस्थान की सराहना की। वी. श्रीनिवास ने महिला एवं बच्चों के सर्वांगीण पोषण, विकास एवं सुरक्षा के संदर्भ में विकसित भारत और सशक्त राजस्थान के लिए भविष्य की कार्य योजना पर केंद्र एवं राज्य सरकार के मिलकर कार्य करने तथा और अधिक प्रगति के लिए प्रतिबद्धता जताई।

दो दिवसीय अंतर-एजेंसी राज्य सम्मेलन सम्पन्न

-महिला एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम पर व्यापक चर्चा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सेंट्रल डिटेक्टिव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (CDTI), जयपुर ने केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से 17 और 18 नवंबर को एक महत्वपूर्ण दो दिवसीय अंतर-एजेंसी राज्य सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। सम्मेलन का केंद्रीय विषय "महिला एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम से संबंधित एनसीएल प्रावधान एवं मिशन वात्सल्य की भूमिका" था। सीडीटीआई जयपुर के निदेशक डॉ. अमनदीप सिंह कपूर (आईपीएस) ने बताया कि इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यों से वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, विशेषज्ञ, बाल संरक्षण कर्मी, अभियोजन अधिकारी और डब्ल्यूसीडी विभागों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। पहले दिन 17 नवंबर को नए आपराधिक कानून और मिशन वात्सल्य सम्मेलन के उद्घाटन में निदेशक सीडीटीआई ने नए आपराधिक कानूनों में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से संबंधित प्रावधानों के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपराधों की जाँच में बाल-अनुकूल प्रक्रियाओं, संवेदनशीलता और मल्टी-एजेंसी समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मिशन वात्सल्य को बाल संरक्षण तंत्र को मजबूत करने वाला एक प्रभावी राष्ट्रीय कार्यक्रम बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ. मीना शर्मा ने सुरक्षित समाज के लिए पुलिस, मीडिया, महिला एवं बाल विकास विभाग के बीच बेहतर साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया। तकनीकी सत्रों के दौरान

महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ सलाहकार जुनैद उल इस्लाम ने एसजेपीयू, बाल कल्याण संरचनाओं की भूमिकाओं और पोक्सो कानून के नवीन केस लॉ पर विस्तार से जानकारी दी। संयुक्त निदेशक आईटी चंदकिरण चोकर ने वात्सल्य पोर्टल की उपयोगिता और चुनौतियों पर सत्र लिया, डॉ. संगमित्रा बारिक ने देशभर में मिशन वात्सल्या के तहत लागू उत्कृष्ट प्रथाओं को प्रस्तुत किया। सेवानिवृत्त अतिरिक्त निदेशक अभियोजन अब्दुल समद चिश्ती ने एनसीएल से जुड़े महिला और बाल सुरक्षा प्रावधानों की विस्तृत चर्चा की। अंत मे साइबर विशेषज्ञ योगेश राव ने ऑनलाइन शोषण, साइबर अपराध प्रवृत्तियों और बच्चों की डिजिटल सुरक्षा पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

सम्मेलन के दूसरे दिन 18 नवंबर की शुरुआत जुनैद उल इस्लाम की एनसीआरबी-2023 में दर्ज बच्चों से संबंधित अपराध प्रवृत्तियों पर डेटा-आधारित प्रस्तुति से हुई। जगदीश प्रसाद (उप निदेशक, डब्ल्यूसीडी जयपुर) ने महिला सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं और पुलिस पहलों की जानकारी दी। डॉ. शिप्रा माथुर (वरिष्ठ मीडिया विशेषज्ञ) ने अपराध रोकथाम में मीडिया की भूमिका, नैतिक रिपोर्टिंग और जन-जागरूकता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

पैनल चर्चा : जुवेनाइल जस्टिस—चुनौतियाँ और नवाचार—

इस महत्वपूर्ण चर्चा में जुनैद उल इस्लाम, डॉ. के.के. कुमावत, डॉ. शिप्रा माथुर और डॉ. संगमित्रा बारिक ने भाग लिया। वक्ताओं ने समन्वय की कमी, पुनर्वास चुनौतियों और बाल न्याय प्रणाली को और प्रभावी बनाने हेतु नवाचारों पर गहन विचार-विमर्श किया। सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि सम्मेलन का समापन वैलेडिक्शन समारोह के साथ हुआ। दो दिवसीय इस आयोजन ने विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत किया और राजस्थान सहित पूरे देश में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा को सुदृढ़ करने की सामूहिक प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

राजस्थान दिवस पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

-राजस्थानी नृत्यों सहित असम के बिहु नृत्य ने आगंतुकों को मंत्रमुग्ध किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 44वें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में इस बार की थीम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अनुरूप राजस्थान दिवस पर राजस्थानी लोक कलाकारों द्वारा एक ही मंच पर प्रस्तुत राजस्थानी नृत्यों के अतिरिक्त असम के लोक कलाकारों द्वारा प्रसिद्ध बिहु नृत्य ने उपस्थित आगंतुकों को मंत्रामुग्ध कर दिया। प्रगति मैदान के एमफी थियेटर हॉल में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि राजस्थान की अतिरिक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती अंजु ओम प्रकाश ने दीप प्रज्वलित कर किया। राजस्थान पर्यटन स्वागत केन्द्र की उप निदेशक श्रीमती दीपाली शर्मा ने गुलदस्ते भेंट कर उनका और अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि एक भारत श्रेष्ठ भारत थीम में राजस्थान-असम राज्य के लोककलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। दो घंटे से भी अधिक चले सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रारंभ में बाड़मेर से आए भंगुर खां ने अपने खड़ताल वादन और पारंपरिक राजस्थानी गीतों की प्रस्तुति दी। इसके उपरांत जयपुर से आई मोरू सपेरा ने चरी नृत्य, घूमर नृत्य और कालबेलियां नृत्य में उनके दल की नृत्यांगनाओं ने लोम हर्षक प्रस्तुति दी। उन्होंने अपने शरीर को रबर की गुड़ियां की तरह तोड़ मोड़कर गजब की लचक के साथ ऐसा अनूठा नृत्य प्रस्तुत किया कि दर्शक तालियां बजाने को मजबूर हो गये। नृत्यांगनाओं ने मुंह और आंखों की पलको से अंगूठी उठाकर भारी करतल ध्वनि अर्जित की। जयपुर के महावीर नाथ के ग्रुप ने भवई नृत्य की प्रस्तुति दी।

इसके उपरांत असम के ब्रहम्पुत्रा नोर्थ इस्ट ग्रुप जि दरंग ने असम का प्रसिद्ध पारंपरिक 'बीहू नृत्य' की प्रस्तुति देकर सबका खूब मनोरंजन किया। कार्यक्रम के अंत में भरतपुर डीग से विष्णु शर्मा और उनके दल ने मयूर नृत्य से ऐसा रंग जमाया कि दर्शक हर्ष ध्वनि किए बिना नहीं रहे। उनके ग्रुप ने ही "फूलों की होली से प्रगति मैदान को 'ब्रजमय' बना दिया।

पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका) । मनोहरपुर पुलिस थाना की पुलिस ने रायसर व शाहपुरा मनोहरपुर थाना क्षेत्र में होने वाले फव्वारा नोजल की चोरी की वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस ने चोरी में शामिल गैंग के एक शातिर चोर कालू मोगिया उर्फ मुकेश को किया गिरफ्तार। पुलिस ने पूछताछ की तो मुल्जिम ने करीब दो दर्जन वारदातों का खुलासा किया है। शातिर चोर मुकेश उर्फ कालू के खिलाफ करीब एक दर्जन से

ज्यादा आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

सैय्यद जलाल शाह बाबा व मेहंदी शाह बाबा का 3 दिवसीय वार्षिक उर्स

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर शहर के सिंधी कैंप बस स्टैंड के पास में स्थित हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत सैय्यद जलाल शाह बाबा रहमतुल्लाह आलेह व हजरत मेहंदी शाह बाबा रहमतुल्लाह आलेह का तीन दिवसीय वार्षिक उर्स 19 नवंबर बुद्धवार से शुरू होगा जो की 21 नवम्बर शुक्रवार को कूल की रस्म के साथ में विधिवत संपन्न होगा। दरगाह के गदी नशीन मोहम्मद साबिर अली ने बताया की 19 नवंबर बुद्धवार को दरगाह को रंग बिरंगी विद्त लाइटो से सजाया जाएगा और तकरीर का प्रोग्राम किया जाएगा जिसमें खुदा के हुकुम व मोहम्मद साहब के बताए हुए मार्ग पर चलने की बात कही जाएगी। 20 नवम्बर गुरुवार को मगरिब की नमाज के बाद में चद्दर पेश की जाएगी व ईशा की नमाज के बाद में राजस्थान की मशहूर

कव्वाल पार्टियों के द्वारा बाबा की मान मनुहार की जाएगी। इसी प्रकार 21 नवम्बर शुक्रवार की सुबह 10 बजे फातिहा लगाकर लंगर वितरण किया जाएगा इसमे अकीदतमंद बड़े ही अदब से लंगर प्रसादी लेंगे असर की नमाज के बाद में कुल की रस्म होगी इसी के साथ में उर्स का समापन होगा इसके बाद में सराहनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

जयपुर और उदयपुर के दो-दो तुलाई कांटों के कम्प्यूटराइज मोड्यूल का 1 से 7 दिसंबर तक परीक्षण और संचालन - प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया है कि विभाग द्वारा तैयार किये जा रहे तुलाई कांटों के कम्प्यूटराइज मोड्यूल का आगामी 1 से 7 दिसबंर तक जयपुर और उदयपुर के दो-दो तुलाई कांटों पर परीक्षण संचालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परीक्षण संचालन के दौरान आने वाले अनुभवों को देखते हुए वेब्रीज मोड्यूल को अंतिम रुप देते हुए इस साल के अंत तक चरणवद्ध तरीके से प्रयोग में लाना आरंभ कर दिया जाएगा। पहले चरण में सीमेंट, आयरन ऑर व इसी तरह की बड़ी माइनिंग लीजों को इसके दायरें में लाया जाएगा। प्रमुख सचिव माइंस मंगलवार को सचिवालय में निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा, प्रोजेक्ट से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रगति समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि तुलाई कांटों को धरातल से उंचा बनाया जाएगा ताकि सही तुलाई हो सके। इससे व्यवस्था के पारदर्शी होने के साथ ही लीजधारकों को भी आये दिन होने वाली असुविधा व विवादों

से राहत मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि व्यवस्था को पारदर्शी बनाते हुए विभागीय वेबसाइट पर वेण्डर्स की सुझावात्मक सूची भी उपलब्ध कराई जाएगी ताकि संबंधित संस्था वेण्डर्स से सीधा संवाद कायम करते हुए विभाग द्वारा तैयार किए गए मॉड्यूल के सपोर्टिंग आवश्यक उपकरणों की खरीद कर सके। टी. रविकान्त ने कहा कि विभाग चरणवद्ध तरीके से पूरी व्यवस्था को पेपरलेस बनाने जा रहा है इससे लीजधारकों को भी अनावश्यक रुप से विभागीय कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। राज्य स्तर पर जयपुर और उदयपुर में कमाण्ड सेंटर भी विकसित किया जाएगा जहां से तुलाई कांटों की ऑनलाईन निगरानी भी सुनिश्चित की जा सकेगी। निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि वेब्रीज और व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम लागू होने से व्यवस्था और अधिक पारदर्शी हो जाएगी और इससे खानधारकों को भी लाभ होगा। अतिरिक्त निदेशक डीएमजीओएमएस श्रीमती शीतल अग्रवाल ने साफ्टवेयर व अन्य तैयारी प्रगति से विस्तार से अवगत कराया। सीएमएस के वीपी विनय दुबे ने विस्तार से मॉड्यूल के संबंध में जानकारी दी। बैठक में संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर, अधीक्षण खनि अभियंता एनएस शक्तावत, प्रताप मीणा, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, अधीक्षण भूवैज्ञानिक एरियल सर्वे सुनील वर्मा व अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

फुटबॉल एवं लंबी कूद में प्रथम स्थान पर आई छात्राएं

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। एयू बनो जिला स्तरीय टूर्नामेंट नायन मैं बीपीएस स्कूल की छात्राओं ने फुटबॉल एवं लंबी कूद और अन्य खेलो में प्रथम स्थान प्राप्त करके स्कूल का एवं माता-पिता का नाम रोशन किया हैं। इससे पहले भी बीपीएस स्कूल की छात्राओं ने पांच गोल्ड मेडल और 4 सिल्वर जीते और अब जिला स्तरीय टूर्नामेंट में भी परचम लहराया और बीपीएस स्कूल मनोहरपूर

के डायरेक्टर रामजीलाल नायक का कहना है कि हमारे विद्यालय की छात्राओं की सच्ची लगन एवं मेहनत को देखते हुए हमें पूर्ण विश्वास है कि आगे होने वाले राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में भी प्रथम स्थान प्राप्त करके गोल्ड मेडल जीत कर लेकर आएगी।

नगर निगम जयपुर की सतर्कता टीम की बड़ी कार्रवाई, 16 केन्टर सामान जब्त

-शहर के विभिन्न इलाकों में अस्थाई अतिक्रमण पर चला बुलडोज़र
-मौके पर 90 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूला गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में स्टेट हेंगर रोड़, श्योपुर रोड़ सांगानेर, कुम्भा मार्ग, नारायणा हॉस्पिटल, इण्डिया गेट, रजतपथ मानसरोवर, मध्यम मार्ग मानसरोवर, नर्सरी पार्क, नर्सरी सर्किल, त्रिवेणी पुलिया के नीचे सीके बिडला अस्पताल के सामने, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, जौहरी बाजार, किशनपोल बाजार, घाटगेट, शांति कॉलोनी, अंबेडकर सर्किल, आदर्श नगर, मामा होटल, मेन रोड साकेत कालोनी, सामुदायिक भवन रोड, गीता भवन रोड, गीता भवन चौराहा, पिंक स्क्वायर मॉल रोड, गोविंद मार्ग, रामगंज चौपड़, न्यू गेट, भगवान दास रोड, राजधर्मा हॉस्पिटल रोड, स्टैच्यू सर्किल, बगड़िया भवन, खेतान मार्ग और सी-स्कीम तक

अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 90 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 16 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में स्टेट हेंगर रोड़, श्योपुर रोड़ सांगानेर, कुम्भा मार्ग, नारायणा हॉस्पिटल, इण्डिया गेट, रजतपथ मानसरोवर, मध्यम मार्ग मानसरोवर, नर्सरी पार्क, नर्सरी सर्किल, त्रिवेणी पुलिया के नीचे सीके बिडला अस्पताल के सामने, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, जौहरी बाजार, अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 16 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 90 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

नईमुद्दीन आकिल द्वारा सिम्फोनिया रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों को गोपनीयता की शपथ दिलवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । शनिचर 16 नवंबर को सिम्फोनिया रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन, जयपुर के चुनाव संपन्न हुए । जिसमें अध्यक्ष पद पर रिटायर्ड कर्नल सुशील सूर्यकांत चाती चुनाव जीतकर अध्यक्ष चुने गए, उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती निर्मला अग्रवाल, सचिव नरेश भाग, कोषाध्यक्ष शांतनु चौहान तथा शक्ति सिंह, बृजमोहन सचदेवा, रिचा गुप्ता कार्यकारिणी

सदस्य निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए । उसी समय समस्त कार्यकारिणी को चुनाव अधिकारी नईमुद्दीन आकिल एडवोकेट द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

आलीसर शिविर मैं मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा की योजना तहत बीमा पॉलिसी वितरित करते शिविर प्रभारी

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत आलीसर पंचायत परिसर में शिविर के प्रभारी सूरजमल सांवरिया व हल्का के के गिरदावर मथुरा प्रसाद यादव की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन हुआ। इस मौके पर हल्क की गिरदावर यादव ने बताया कि शिविर में करीबन 15 विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। स्थानीय पशु चिकित्सालय के प्रभारी डॉक्टर विजय यादव एवं पशुधन निरीक्षक पूरणमल यादव ने पशुपालकों को एवं आयुर्वेद ग्रामीणों को विस्तार से बताते हुए कहां की पशुपालन विभाग के द्वारा मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की 81 पॉलिसी वितरित किए गए। इस मौके पर 200 पशुओं को खुरपका मुहपका रोग के बचाओ के लिए टीकाकरण किया गया। आलीसर के कृषि पर्यवेक्षक कृष्ण यादव ने सभी किसानों को विस्तार से समझाते हुए कहा कि इस शिविर में मिनी फव्वारा तथा शिविर में मिनी किट वितरण किया। साथ ही फसलों को मैं लगने वाले रोगों के बारे में उपाय की जानकारी दी गई। शिविर में प्रशासक प्रभु नारायण यादव, ग्राम विकास अधिकारी दिनेश कुमार मीणा, एलडीसी बाबू ओम प्रकाश यादव, हल्का के पटवारी सुरेंद्र कुमार स्वामी ने भी भूमिहीनों के पत्ता वितरित किए गए। गोविंदगढ़ बाल विकास परियोजना के अधिकारी एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधि का एकमात्र लक्ष्य क्षेत्र का समग्र और संतुलित विकास करना- रामलाल शर्मा

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत जाटावाली में आज सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) से स्वीकृत मिसिंग लिंक सड़क के निर्माण कार्य का भव्य शुभारंभ हुआ, ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का अभिनंदन कर माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक शर्मा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जाटावाली खारवालो की ढाणी से मानपुरा माचेडी तक अनुमानित ₹45 लाख की लागत से बनने वाली इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन मे सुविधा मिलेगी। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद क्षेत्र में ढाणी ढाणी, गाव गाव तक बुनियादी सुविधाओं का समग्र विस्तार हुआ है उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का एकमात्र लक्ष्य क्षेत्र का समग्र और संतुलित विकास करना है और आगे भी विकास की यह यात्रा अनवरत जारी रहेगी और क्षेत्र की जनता के प्रति हमेशा समर्पित रहेंगे। पूर्व विधायक शर्मा ने ग्रामवासियों द्वारा किए गए इस आत्मीय स्वागत सम्मान के लिए आभार जताते हुए कहा कि यह स्नेह और विश्वास ही मुझे क्षेत्र के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने की प्रेरणा देता है। 1200 मीटर लबाई की जाटावाली से मानपुरा सड़क का पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने स्वयं जेसीबी चलाकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया, इस अवसर पर ग्रामवासियों में खुशी और उत्साह का माहौल नजर आया। इस अवसर पर प्रधान रामस्वरूप यादव, जाटावाली चौकी इंचार्ज बाबूलाल मीणा, भाजपा जिला कार्यालय प्रभारी एवं जमवारामगढ़ प्रभारी प्रकाश हाटवाल, पूर्व फल सब्जी मंडी अध्यक्ष दिनेश गोरा, पूर्व उपाध्यक्ष प्रतिनिधि बन्नालाल शर्मा, श्रीराम, मांगीलाल, जाटावाली सरपंच महावीर जांगिड़, कल्याण, कालूराम, कालूराम, शंकर हाटवाल, नन्छुराम हाटवाल, , श्रवण जाट, बद्री , रामकिशोर शर्मा, महेंद्र कौशिक, रामकिशोर, जमन लाल , बाबूलाल पटेल, महेंद्र जाट, सूर्यप्रकाश जांगिड़, कमलेश जाट, गिरधारी जाट, दौलत, जीतू शर्मा, मुकेश यादव सरदार जाट सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

गांवडा मीना में आयोजित कन्हैया दंगल में धार्मिक पौराणिक रचनाओं पर झूमें श्रोता

हिण्डौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। हिण्डौन गांव गांवडा मीना में आम बस्ती की ओर से आयोजित कन्हैया दंगल में विभिन्न गांवों से आई जोठों ने धार्मिक पौराणिक रचनाएं सुनाई, जिन्हे सुनकर श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए।कार्यक्रम में नई जोठ गांवडा जिसमें मेडिया गहलोत मीना, चरण मेडिया, पूर्व सरपंच रामरुप मीना, सीएल मीना बैंक मैनेजर सरपंच कैलाश मीना, कोर्डिनेशन ओपी मीना IRS CGST& CUSTOMS ने शिक्षा के प्रति जागरुक हेतू कालीदास की कथा सुनाई, शफीपुरा मेडिया सरपंच अभिषेक मीना अर्जुन की कथा और रानेटा मेडिया कैलाश मीणा और प्रसादी मीना और उनकी जोठ ने शिखंडी की कथा सुनाई। जिन्हें सुनकर श्रोता झूमने को मजबूर हो गए। आयोजन कर्ताओं ने सभी जोठों का साफा माला पहना कर सम्मान किया। कार्यक्रम में गांवडा सहित आसपास के गांवों से बडी संख्या में महिला पुरुष मौजूद रहे।

रेहाना रियाज चिश्ती का चूरू पहुंचने पर शहर में हुआ जगह-जगह भव्य स्वागत

-अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सचिव बनने पर पहली बार चूरू पहुंची

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर AICC राष्ट्रीय सचिव व महाराष्ट्र सह-प्रभारी बनने पर प्रथम बार चूरू आगमन पर रेहाना रियाज चिश्ती का कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक संगठनों द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आसिफ खान के नेतृत्व में युवा शक्ति ने राजकीय लोहिया महाविद्यालय के आगे स्वागत व अभिनंदन किया। इस दौरान महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनीता कपूरिया, एडवोकेट सुरेश कल्ला, अमीन खां, प्रदेश सचिव अनीश खान, मुबारिक भाटी, अमन दाधीच, मौसिम खान, शब्बीर खां, पूर्व पार्षद बाली बाई, मंडल अध्यक्ष नदीम राईन, छात्रनेता सोएब खान, संदीप बरोड़, आलोक खारड़िया, शर्मिला भाकर, एडवोकेट यूनुस खान , आवेश खिलजी, कर्ण सैनी, सुलेमान मनियार सहित सैंकड़ो युवाओं स्वागत किया। और शहर के सामाजिक संगठनों द्वारा एवं दक्षिण चूरू विकास समिति के नेतृत्व में प्रबुद्धजनों और युवा साथियों द्वारा सम्मान एवं अभिनन्दन कार्यक्रम रखा गया। सम्मान समारोह में समिति के अध्यक्ष गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष धनराज न्योल, शीशराम कालेर, सुरेंद्र पेन्सिया, के.पी. गढ़वाल, पवन सैनी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा शहर में जगह-जगह पर स्वागत किया गया।

श्री श्याम सलोना सेवा समिति के तत्वाधान में बालिकाओं के विवाह में सहयोग

चौमू (रॉयल पत्रिका)। चौमूं में श्री श्याम सलोना सेवा समिति ने गौ माता की सेवा में गौशालाएं में चार की पिकअप अच्छा दलिया सहित कई प्रकार के हरा चारा सहित कई वर्षों से यह सेवा करते आ रहे हैं। इसी प्रकार गरीब लोग तथा असहाय लोगों बच्चियों की शादियों में पूरा सहयोग करते आ रहे हैं। इस संस्था सदस्य मनीष गोयल ने बताया कि इसी प्रकार स्करकेश्री श्याम सलोना सेवा समिति के तत्वाधान मे आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर वाल्मीकि समाज की बालिकाओं के विवाह में सहयोग हेतु आवश्यक गृहस्थी सामान प्रदान कर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। इन जोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मौके पर पहुंचकर आशीर्वाद प्रदान किया और इन समिति का अभिनंदन किया ऐसी समिति हर जगह गठित होने से ऐसा लोगों के बच्चों को गरीबों तप केलोगों की बच्चियों की शादी समारोह हो सकते हैं। इस कार्यक्रम में चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा, संस्था के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा संहिता आसपास के सहयोगी एवं संस्था के पदाधिकारी उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग रहा। संस्था के सदस्य गोयल ने बताया समिति द्वारा ऐसे सामाजिक सहयोग कार्यक्रम पूर्व में भी लगातार आयोजित किए जाते रहे हैं। श्री श्याम सलोना सेवा समिति पिछले 25 वर्षों से गौ-सेवा के साथ-साथ सामाजिक सरोकार के कार्यों में निरंतर सेवा दे रही है। कार्यक्रम के प्रभारी मनीष गोयल एवं मुकेश खुटेटा सहित श्री श्याम सलोना समिति के सदस्यों को इस पुनीत कार्यो के लिए हार्दिक साधुवाद।

सड़क स्वीकृति पर ग्रामवासियों ने जताया पूर्व विधायक शर्मा का आभार

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत जैतपुरा में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सड़क नवीनीकरण कार्य के लिए 132.30 लाख रुपए की राशि स्वीकृत होने पर प्रशासक डॉ. सुरेश गुलिया के नेतृत्व में ग्रामीणों ने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का माला एवं साफा पहनाकर आभार व्यक्त किया। गौरतलब हैं कि जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा ग्राम पंचायत जैतपुरा से ठेरक्या की ढाणी से होते हुए चिमनपुरा रोड तक (62.25 लाख) और सीकर रोड से आईटीआई कॉलेज से होते हुए झालरा की ढाणी की ओर (70.05 लाख) सड़क नवीनीकरण की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि ग्राम पंचायत की उक्त सड़को के नवीनीकरण से ग्रामीणों को सुविधा मिलेगी। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों का स्वागत सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रशासक डॉ. सुरेश गुलिया, उपसरपंच बाबूलाल झाझड़ा, पूर्व उप सरपंच रामकिशोर यादव, बाबूलाल घोसल्या, नानूराम निठारवाल, नानूराम यादव, बाबूलाल यादव, गिरधारी जितरवाल, मनोज ठेराक्या, भागीरथ यादव, रामकरण निठारवाल, लालाराम यादव, सुशील झाझड़ा, बंशीधर यादव, भगवान सहाय यादव, सुरेश यादव सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संभागीय आयुक्त व जिला निर्वाचन अधिकारी ने जमीनी स्तर पर लिया बीएलओ कार्यों का जायजा

-बीएलओ को प्रतिदिन न्यूनतम 100 गणना प्रपत्र का संग्रहण करने व उन्हे ऑनलाईन कराने के दिये निर्देश

हनीस खान कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में कार्य जारी है। इस संबंध में संभागीय आयुक्त डॉ. टीना सोनी व जिला निर्वाचन अधिकारी नीलाभ सक्सेना के द्वारा सोमवार को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र करौली व सपोटरा में मकनपुर, महमदपुर, रामपुर पालन व कुडगांव के बूथ लेवल अधिकारी के द्वारा किये जा रहे परिगणना प्रपत्रों के वितरण एवं भरवाने के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ को तय समय सीमा में एसआईआर कार्य सम्पन्न कराने के लिए निर्देशित किया। संभागीय आयुक्त महोदया द्वारा निर्देश दिये गये कि बीएलओ एवं सहायक बीएलओ के द्वारा प्रतिदिन न्यूनतम 100 गणना प्रपत्र का संग्रहण किया जावें और उस ग्राम पंचायत के बी।

सांप्रदायिक सौहार्द्र की मिसाल, चूरू में मुस्लिम युवाओं ने हिन्दू बहिन के लिए भाई का फर्ज निभाकर साम्प्रदायिक सद्भाव एवं सोहार्द का दिया संदेश

-यूं तो रिश्तों को निभाना खासा मुश्किल काम है, लेकिन चूरू में यहां मुस्लिम भाईयों और उसकी हिंदू बहन का रिश्ता परंपराओं की मिसाल बना है

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मेंगढ़ के पास वार्ड नं. 41 निवासी नन्दनी राजोतिया के यहां शादी समारोह में मुस्लिम तेली समाज के भाई रफीक चौहान आईटी सैल, समाजसेवी असलम एमआर, रफीक राजगढ़िया, इस्माईल चौहान, मंगतु भाटी, इस्माईल भाटी, गुलाम हुसैन गौरी, याकुब राजगढ़िया, एडवोकेट सद्दाम हुसैन, हारून मलनस मारको, सलीम चौहान इत्यादि ने हिन्द बहिन नन्दनी राजोतिया को चुंदड़ी उढ़ाकर एक लाख इक्कीसों रूपये कन्या दान स्वरूप भेंट कर बहिन की शादी में भाईयों का फर्ज निभाया। चूरू निवासी परमेश्वर लाल राजोतिया का निधन हो चुका है तथा उनके कोई लड़का भी नहीं है तथा माता बिमार है ऐसी परिस्थिति में परमेश्वर लाल राजोतिया की पुत्री नन्दनी के शादी के अवसर पर मुस्लिम भाई आगे आयें ओर बहिन की शादी में एक लाख इक्कीसों रूपये कन्या दान स्वरूप भेंट सांप्रदायिक सद्भाव एवं सोहार्द की अनूठी मिशाल कायम की है। जाति धर्म से उपर उठकर गंगा जमुना तहजीब को समर्पित भाई बहन के पाक पवित्र रिश्ते को चरितार्थ करने वाले इस पावन अवसर पर सपना शर्मा, दुर्गा वर्मा, भंवर लाल जांगिड़, सुभाष जांगिड, सत्यनारायण जांगिड़, जगदीश सौनी, महबूब भाटी, इब्राहिम सौलकीं, असगर चौहान सहित बड़ी संख्या में सर्वसमाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ईंट-भट्टा मालिकों से मांगे सुझाव

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। चूरू-झुंझुनूं क्षेत्र में स्थित सभी ईंट-भट्टा जय संचालकों को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय हरित प्राधिकारण (एनजीटी) के आदेश और राज्य सरकार की गाइडलाइन के मद्देनजर भट्टों के संचालन नियमों की पुनः पुष्टि की गई है। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, झुन्झुनूं के क्षेत्रीय अधिकारी सुधीर यादव ने बताया कि झुंझुनूं व चूरू जिले में ईंट-भट्टों में जलाई (फायरिंग) गतिविधियों की समय सीमा छह माह की अवधि 01 नवम्बर से 30 जून के मध्य बिना अंतराल के अनुमत करने के लिए लिखित में सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। 27 नवम्बर के बाद प्राप्त किसी सुझाव व आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

मतदाता जल्द से जल्द भरें गणना प्रपत्र-जिला कलक्टर

-प्रशासन जुटा एसआईआर को सफल करने में

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने कहा कि जिले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के कार्य में निरंतर प्रगति हो रही है। इस कार्यक्रम में मतदाताओं से संपर्क कर उनसे गणना प्रपत्र भरवाकर प्राप्त किए जा रहे हैं। जिनमें से अब तक 34 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि गणना प्रपत्र एक सरल फार्म है। इसके साथ मतदाताओं को किसी तरह का दस्तावेज संलग्न करने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें प्राथमिकता के साथ यह प्रपत्र भरकर बीएलओ को उपलब्ध कराना चाहिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी तोमर ने यह बात मंगलवार को मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के तहत ज्यादातर मतदाताओं तक प्रपत्र पहुंचाए जा चुके हैं जिन्हें भरवाकर संग्रहण करने का कार्य पूरी तेजी के साथ किया जा रहा है। मतदाताओं को यह प्रपत्र स्वयं ऑनलाइन भरने की सुविधा भी प्रदान की गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपजिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल, सहायक निदेशक जनसंपर्क योगेन्द्र शर्मा भी उपस्थित थे।

एसआईआर प्रक्रिया (विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम)

पुनरीक्षण कार्यक्रम 27 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ किया गया है। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 7 फरवरी 2026 तक एसआईआर की प्रक्रिया चलेगी। कार्यक्रम के अन्तर्गत 4 दिसंबर तक घर-घर गणना प्रपत्र के वितरण एवं संग्रहण का कार्य होगा। इसके पश्चात 9 दिसंबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। दावे एवं आपत्तियां 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक ली जाएगी। जबकि 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक सुनवाई एवं सत्यापन किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

बीएलओ, वॉलंटियर एवं हेल्पडेस्क

जिला निर्वाचन अधिकारी तोमर ने कहा कि सभी बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। बीएलओ द्वारा अपनी दैनिक प्रगति का अभिलेखन किया जा रहा है। गणना प्रपत्र भरने में सहायता के लिए मतदाताओं विशेष रूप से बीमार, दिव्यांग, असहाय और अन्य कमजोर समूहों की सहायता के लिए वॉलंटियर को नियोजित किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण कार्यालय आदि में हेल्पडेस्क स्थापित किए जा रहे है।

एसआईआर प्रगति रिपोर्ट

जिले में वर्तमान में बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र का वितरण व डिजिटाईजेशन का कार्य किया जा रहा है। जिसमें अधिकांश संख्या में बीएलओ द्वारा किशनगंज, बारां-अटरू, छबड़ा विधानसभा क्षेत्रों में गणना प्रपत्र वितरित कर दिए गए हैं। वहीं करीब 34 प्रतिशत परिगणना प्रपत्रों को डिजिटाईज्ड भी किया जा चुका है। कार्यक्रम में 784 बीएलओ तीनों विधानसभा क्षेत्रों में लगाए गए है। जोकि कुल 7 लाख 56 हजार 75 मतदाताओं तक प्रपत्रों को पहुंचाने एवं भरवाने का कार्य कर रहे हैं।

राजनैतिक दलों का सहयोग

सभी राजनीतिक दलों से इस कार्यक्रम में सहयोग करते हुए एसआईआर की प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्ध होने के लिए आह्वान किया गया है। सभी जनप्रतिनिधियों से कहा जा रहा है कि वे भी जिले में मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में पुनरीक्षण के कार्य को प्राथमिकता से लेने एवं परिवार के सभी वयस्क सदस्यों के फॉर्म समय पर बीएलओ को उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित करें। इस संदर्भ में विधायकगणों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से विचार विमर्श किया जा चुका है। विधायकगणों ने भी एसआईआर कार्य में पूर्ण सहभागिता का आश्वासन दिया है।

तीन बीएलओ सम्मानित

इस दौरान जिले में श्रेष्ठ कार्य करने पर जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने तीन बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है। छबड़ा विधानसभा क्षेत्र में गांगटी के बीएलओ परमानन्द लोधा को 95.50 प्रतिशत, किशनगंज क्षेत्र में बादीपुरा के बीएलओ पुरूषोत्तम को 85.47 प्रतिशत तथा छबड़ा क्षेत्र में नरेडा जागीर के बीएलओ बाबूलाल मीणा को 79.77 प्रतिशत कार्य पूर्ण करने पर सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय को भ्रष्टाचार मुक्त करने को लेकर पाली एनएसयूआई ने प्राचार्य का पुतला जलाकर उच्च शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। एनएसयूआई टीम पाली ने जिला कलेक्टर पाली के मार्फत उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन दिया तथा प्राचार्य का पुतला दहन किया छात्रसंघ पूर्व जिलासंयोजक विकास राठौड़ ने बताया कि पिछले 1 साल से प्राचार्य द्वारा महाविद्यालय में संस्थापक संस्था विकास को समिति के तहत विभिन्न अनियमिता एवं गड़बड़िया की जा रही है। पूर्व एनएसयूआई प्रदेश सचिव अर्जुन सिसोदिया ने बताया कि छात्रा भावना पवार जो राजकीय भंसाली महाविद्यालय की सत्र 2023, 2024 -25 में नियमित छात्र के रूप में अध्यनरत थी उसके बावजूद उसको बांगड महाविद्यालय संस्था विकास समिति से 1 साल का भुगतान किया गया। प्राचार्य की भतीजी परीक्षा ड्यूटी पर नहीं होने के बावजूद उनका नाम लिखकर बाद में हस्ताक्षर करवा के भुगतान किया गया। प्रीति सिंघवी विषय कंप्यूटर विज्ञान को अनुपस्थिति को उपस्थित बताकर भुगतान किया गया। छात्र संघ उपाध्यक्ष असगर खत्री ने बताया कि एक फैकल्टी का हस्ताक्षर जिस दिन प्राचार्य द्वारा प्रमाणित किया जाता है उसी दिन का प्राचार्य द्वारा जोधपुर का यात्रा भत्ता प्राप्त किया जाता है एक फैकल्टी बीबीए संकाए को बिना शिक्षण कार्य के दो माह का भुगतान किया जाता है प्राचार्य द्वारा फैकल्टी में सत्र 2024 -25 मैं बिना किसी भर्ती प्रक्रिया के तहत अपने चहते को लगाया गया तथा भुगतान किया गया। छात्र नेता नरेश चौधरी ने बताया कि प्राचार्य द्वारा पिछले 1 साल से काला शीशा लगा रखा है तथा पिछले तीनों पूर्व प्राचार्य के साथ दुर्व्यवहार संबंधित शिकायत के महाविद्यालय को देखने को मिली है। छात्रनेत मनीषा ने बताया कि हमने इन विभिन्न शिकायतों को लेकर पूर्व में आयुक्त कॉलेज शिक्षा विभाग जयपुर को ज्ञापन सोपा था लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है आज फिर हम मांग करते हैं कि जल्द से जल्द कारवाई करावे इस मौके पर जयेश चौहान श्रवण कंसारा, मनीषा,प्रियंका, पूनम सिंह, राहुल, हेमंत, सोनाराम, लोकेश, कानाराम, दीपक, अजय, जगदीश, राकेश, इंदर सिंह, सुबहान संजरी, नरेश, भावेश, संजय, शोएब सहित बड़ी संख्या में एनएसयूआई के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राजकीय मोहता उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय में साइबर सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताया गया

मोहम्मद अली पठान

राजगढ़ (रॉयल पत्रिका)। मोहता बालिका स्कूल में साइबर सुरक्षा की जानकारी दी राजगढ़ पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक मोहता बालिका स्कूल राजगढ के सभागार में साइबर सुरक्षा विषय पर मुख्य वक्ता एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डीजीटल जीवन में साइबर सुरक्षा के खतरे से बचने के लिए मजबूत पासवर्ड होने चाहिए और समय समय पर पासवर्ड बदलते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनजान वेव ओर मैसैज सतर्कता से क्लिक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा जैसे-जैसे जीवन डीजीटल होता जा रहा है हमारी जानकारी, बैकींग, निजी और व्यावसायिक डेटा इंटरनेट पर सुरक्षित रहना अत्यावश्यक है साइबर सुरक्षा का उद्देश्य साइबर अपराधों और खतरों से बचाना है यानी कि कम्प्यूटर, नेटवर्क ओर डेटा की सुरक्षा करना है ताकि वे अनाधिकृत पहुंच, नुकसान और उपयोग से सुरक्षित रहे। साईबर खतरों में हैकींग, वायरस, मैलवेयर, फिशिंग और रेसमवेयर आते हैं हैकींग में आपकी जानकारी चुराई या आपके सिस्टम को नुक़सान पहुंचाया जाता है वायरस और मेलवेयर आपके कम्प्यूटर और मोबाइल को प्रभावित करते हैं फिशिंग के जरिए धोखाधड़ी कर अपकी व्यक्तिगत जानकारी ली जाती है रेसम वेयर आपके डेटा को बंधक बनाकर फिरौती मांगता है हमें संदिग्ध ईमेल और बेव लींक पर क्लिक करने से बचना चाहिए। हमें सार्वजनिक वाई फाई का उपयोग से भी बचना चाहिए। इनके लिए आई टी एक्ट 2000 में साइबर अपराधों के लिए दंडित भी किया जाता है हमें साइबर सुरक्षा के लिए साफ्टवेयर ओर ऐंटिवायरस को हमेशा अपडेट रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को निरंतर अखवार पढ़ते रहना चाहिए और सतर्कता ही सुरक्षा है उन्होंने बच्चों कहा कि इसके लिए घर परिवार को भी उचित जानकारी समय पर देते रहना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सुशीला बलवदा प्राचार्य ने की उन्होंने आगन्तुक अतिथियों का स्वागत करते हुए धन्यवाद उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में उषा रानी, अनिता खींचड़, मंजु, शंकुतला, ईश्वर सिंह, द्रोपदी रेगर, राधा यादव, किरण शुसिला, संजु, मुकेश कुमार ने सहभागिता दी कार्यक्रम का संचालन कांता जांगिड़ ने किया ।

प्रमोद भाया ने दिल्ली पहुंचकर राहुल गांधी से की मुलाकात

-राहुल गांधी ने दी भाया को शुभकामनाएं

बारां (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा उप चुनाव अन्ता में विजयी होने के उपरान्त मंगलवार 18 नवंबर 2025 को नव निर्वाचित अन्ता विधायक एवं पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया दिल्ली पहुंचे जहां पर उनके द्वारा राहुल गांधी से मुलाकात की। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्ता विधानसभा उप चुनाव में कडी टक्कर देकर ऐतिहासिक मतों से विजयी हुए प्रमोद जैन भाया आज दिल्ली पहुंचे जहां पर उनके द्वारा राज्य के प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा तथा विधानसभा मे नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के साथ राहुल गांधी से 10 जनपथ दिल्ली में मुलाकात की। प्रमोद जैन भाया द्वारा राहुल गांधी को मिठाई खिलाई तथा पुष्पगुच्छ भेंट किया गया। राहुल गांधी द्वारा अन्ता विधानसभा उप चुनाव के बारे में प्रमोद भाया के साथ विस्तार से चर्चा की, जिस पर प्रमोद जैन भाया ने उनके द्वारा इस उप चुनाव में अपनाई गई चुनावी रणनीति से उन्हें अवगत करवाया। राहुल गांधी द्वारा कहा कि प्रमोद जैन भाया एवं कांग्रेस पार्टी संगठन द्वारा पूरी चुनावी रणनीति के तहत चुनाव लडा तथा कडी टक्कर देकर यह ऐतिहासिक चुनावी विजयश्री प्राप्त की, इसके लिए मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं। राहुल गांधी ने कहा कि भायाजी आपकी कार्यशैली मुझे पहले से ही मालूम थी तथा मुझे पूर्ण विश्वास था कि आप इस उप चुनाव में कडी शिकस्त देकर कांग्रेस पार्टी को विजयी बनाएंगे।

"जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न"

-उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान कार्यक्रम 23 नवम्बर को

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान कार्यक्रम को लेकर अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश धाकड़ की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलंकार गुप्ता ने उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ लोकेश कुमार परमार ने बताया की बैठक में जिला डूंगरपुर के अन्य विभागों द्वारा पल्स पोलियो अभियान के सफल क्रियान्विति के लिए विचार विमर्श किया गया जिसमे विदत विभाग से पल्स पोलियो अभियान हेतु निरन्तर नियमित विदत सप्लाई वैक्सीन डिपो सेंटर सीएचसी, पीएचसी मुख्यालय सहित पर विदत चालू रखने के विषय मे, बस स्टेण्ड पर माईक से पोलियो दवा पिलाने हेतु प्रसारण करवाने, बस स्टेण्ड पर ट्रांजिट पोलियो टीम द्वारा पोलियो की दवा पिलाई जायेगी, हाई रिस्क व माइग्रेटिंग स्थान पर मोबाईल टीम द्वारा पोलियो की खुराक पिलाना, नगर परिषद डूंगरपुर को शहरी बूथ के लिए टेन्ट व बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करवाने, महिला बाल विकास को पोलियो कार्यक्रम में आंगनबाडी कार्यकता को फिल्ड में सक्रिय रह कर आमजन को जागरूक करने, मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्य, प्रारम्भिक) डूंगरपुर द्वारा समस्त स्कूली बच्चों द्वारा पल्स पोलियो रैली, प्रभातफेरी, पोलियो दिवस के दिन स्कूल खुले रखने, बूथ के लिए बैठक व्यवस्था हेतु निर्देश जारी करवाने, प्रार्थना स्थल पर रोजाना पल्स पोलियो की तारीख व स्थान की जानकारी, प्रभारी अधिकारी एनसीसी, स्कूल स्काउट, गाईड द्वारा पल्स पोलियो बूथों पर स्वयंसेवक उपलब्ध करवाने, प्रभारी अधिकारी नेहरू युवा केन्द्र द्वारा पल्स पोलियो अभियान में सहयोग हेतु विचार-विमर्श, एन.जी. ओ. द्वारा अभियान में सहयोग हेतु समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। बैठक में महिला बाल विकास विभाग के उप निदेशक पंकज द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलंकार गुप्ता, जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. लोकेश कुमार परमार, एवं समस्त विभागो के संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गौरव दिवस आयोजन स्काउट गाईड के सहायक लीडर ट्रेनर डॉ. ललित बरण्डा को मिला राष्ट्रीय बिरसा मुण्डा गौरव सम्मान

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। आधुनिक इंडिया फाउंडेशन के बैनर तले जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अत्यंत उत्साह और गौरव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में देशभर से आए जनजातीय समुदायों के प्रतिनिधियों, समाजसेवियों, कलाकारों और युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय जनजातीय आयोग के सम्माननीय सदस्य निरूपम चकमा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में लोकसभा सांसद कृपानाथ मल्लाह तथा राज्यसभा सांसद रमेश्वर तेली समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम के अन्तर्गत स्काउट गाईड के ट्रेनर डॉ. ललित बरण्डा के स्काउट में उत्कृष्ट कार्य करने पर राष्ट्रीय बिरसा मुण्डा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में देश के 07 उत्कृष्ट कार्य करने वालो को बिरसा मुण्डा गौरव अवार्ड से सम्मान दिया गया। इसके अतिरिक्त अति विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य सुश्री डेलिना खोंगडुप की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया।

कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समाज, शिक्षा, संस्कृति, खेल, और समाज सेवा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को "बिरसा मुंडा राष्ट्रीय सम्मान 2025" से सम्मानित किया गया। इस सम्मान ने जनजातीय समाज के समग्र विकास में कार्यरत लोगों के मनोबल को मजबूत करने का संदेश दिया। समारोह का उद्घाटन सभी अतिथितियों द्वारा द्वीप प्रज्जवित कर किया गया। उद्घाटन भाषण आधुनिक इंडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी. के. चौहान ने दिया। अपने संबोधन में उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, त्याग और उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अतिथियों और युवाओं से अपील की कि वे बिरसा मुंडा के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करें और समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को और अधिक मजबूती से निभाएँ।

जिले में विशेष पुनरीक्षण-2026 श्रेष्ठ बीएलओ चयन की शुरुआत

-निंबाहेड़ा के दुष्यंत शर्मा पहले दिन रहे अव्वल अधिकारियों की फील्ड सक्रियता और सतत निरीक्षण जारी

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के तहत जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक रंजन की पहल पर सभी विधानसभाओं में से श्रेष्ठ बीएलओ चयन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। यह चयन प्रतिदिन, साप्ताहिक एवं संपूर्ण अवधि के आधार पर किया जाएगा। जिला कलक्टर ने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम की सफलता में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और जिले के बीएलओ फील्ड में सक्रिय रहकर समयबद्ध कार्य कर रहे हैं। सोमवार को जारी प्रगति रिपोर्ट के आधार पर निंबाहेड़ा विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 117 के बीएलओ एवं वरिष्ठ अध्यापक दुष्यंत शर्मा को दैनिक श्रेष्ठ बीएलओ के रूप में चयनित किया गया है। दुष्यंत शर्मा का चयन समय पर फील्डवर्क, प्रत्येक मतदाता से विनम्र व्यवहार, गणना पत्रों का शत-प्रतिशत वितरण, अधिकतम मतदाताओं को ऑनलाइन फॉर्म भरने हेतु प्रोत्साहन तथा सटीक और पारदर्शी डेटा एंट्री जैसे मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण किया गया। जिले की सभी पांचों विधानसभाओं में निंबाहेड़ा विधानसभा एसआईआर अभियान में अब तक सबसे आगे है तथा 38 प्रतिशत यानी एक लाख से अधिक गणना पत्र ऑनलाइन कर प्रथम स्थान पर बनी हुई है। जिले के 14 लाख मतदाताओं में से सोमवार सायं तक लगभग 5 लाख गणना पत्र ऑनलाइन किए जा चुके थे।

अधिकारियों की फील्ड सक्रियता और सतत निरीक्षण- जिले में एसआईआर कार्यक्रम को लेकर अधिकारी और सुपरवाइजर लगातार फील्ड निरीक्षण कर रहे हैं। बीएलओ घर-घर पहुंचकर मतदाता विवरण अपडेट करा रहे हैं, जबकि अधिकारी स्तर पर कार्य की प्रगति, निरीक्षण, समीक्षा एवं ऑनलाइन अपलोडिंग की मॉनिटरिंग नियमित रूप से की जा रही है, जिससे अभियान की गति निरंतर बनी हुई है। भदेसर तहसीलदार शिव सिंह ने बड़ी सादड़ी विधानसभा क्षेत्र के विद्यालयों में विद्यार्थियों और स्वयं सेवकों से भी संवाद किया। इस दौरान विद्यार्थियों को गणना पत्र की प्रक्रिया में परिवारजनों एवं अन्य व्यक्तियों का सहयोग करने और एसआईआर की प्रक्रिया की महत्ता को बताया।

लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर सरदार@150 यूनिटी मार्च अजमेर की सड़कों पर गूंजे "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के नारे

-युवाओं ने देश की एकता का दिया सशक्त संदेश देश भक्ति गीतों से दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश भारत माता की जय, वंदे मातरम्, एक भारत-श्रेष्ठ भारत

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 'सरदार@150 यूनिटी मार्च' का आयोजन आज 9 नम्बर पैट्रोल पम्प नसीराबाद रोड़ स्थित टोरेंटो समारोह स्थल से शुरू हुआ। यह जानकारी प्रदान करते हुए माय भारत के जिला युवा अधिकारी जयेश मीना ने बताया की यूनिटी मार्च के प्रारंभ में मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक अजमेर उत्तर वासुदेव देवनानी रहे। विशिष्ट अतिथि कृषि एवं किसान कल्याण केंद्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद अजमेर लोकसभा भागीरथ चौधरी रहे। विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, विधायक अजमेर दक्षिण अनिता भदेल, अजमेर नगर निगम उपमहापौर नीरज जैन, सरदार@150 यूनिटी मार्च संभाग इंचार्ज नटवर जी, अजमेर जिला स्तरीय अभियान इंचार्ज एवं जिला अध्यक्ष अजमेर शहर रमेश सोनी, संयोजक वेद प्रकाश दाधीच, सहसंयोजक अंकित गुर्जर, दीपक लालवानी रहे। यूनिटी मार्च को केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी एवं राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यूनिटी मार्च सरदार पटेल की आदम कद प्रतिमा रथ के साथ, डी.जे. साउंड देश भक्ति गीतों, राष्ट्रीय एकता की धून के साथ टोरेंटो समारोह स्थल से अलवर गेट, मार्टिण्डेल ब्रिज, दयानंद मार्ग, केसरगंज गोल चक्कर होते हुए क्लॉक टावर थाना से गांधी भवन होते हुए पटेल मैदान पहुँच कर समापन हुआ। यूनिटी मार्च में तिरंगे झंडे, देश भक्ति गीतों, देश भक्ति के नारे भारत माता की जय, वन्दे मातरम्, सहित स्वतंत्रता सेनानियों के जय घोष बोलते हुए युवा चल रहे थे। युवाओं ने अपने नारों से पूरे शहर को राष्ट्र भक्ति के रंग से ओत प्रोत कर दिया। रास्ते में अजमेर के नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। टोरेंटो समारोह स्थल में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सरदार पटेल के अदम्य साहस, दूरदृष्टि और नेतृत्व ने स्वतंत्र भारत को सशक्त राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। युवाओं को उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेने के साथ ही आज के समय में भी सरदार पटेल की एकता की भावना भारत के हर नागरिक को प्रेरित करती है। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल का नाम इतिहास से जुड़ा हुआ है, सरदार पटेल की वजह से ही देश की 565 रियासतों को एकजुट करने में अपना सर्वोच्च योगदान दिया है। उन्होंने बताया यह कार्यक्रम ही नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान हैं। युवाओं में राष्ट्रीय गौरव जगाने, देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने, राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूती के साथ रखने का अवसर है।

चित्तौड़गढ़ जिले को "जल संचय जन भागीदारी 1.0" में 25 लाख का राष्ट्रीय पुरस्कार जिला कलक्टर आलोक रंजन मंगलवार को दिल्ली में हों सम्मानित

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए चित्तौड़गढ़ जिले ने जल संचय जन भागीदारी 1.0 कार्यक्रम में राष्ट्रीय उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसी उपलब्धि के परिणामस्वरूप जिले को जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पश्चिमी जोन की श्रेणी-3 में 25 लाख रुपये के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान 18 नवम्बर को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में जिला कलक्टर आलोक रंजन को प्रदान किया जाएगा। जल संचय जन भागीदारी 1.0 भारत सरकार का एक व्यापक सामुदायिक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य जल संसाधनों के संरक्षण, प्रबंधन और पुनर्भरण को जनभागीदारी के माध्यम से मजबूत बनाना है। बढ़ते भूजल संकट, घटते जलस्तर और अनियमित वर्षा जैसी चुनौतियों को देखते हुए यह अभियान सरकार, पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों और आमजन को एकजुट कर प्रभावी कार्य करने पर केंद्रित है। कार्यक्रम की अवधि 1 अप्रैल 2024 से 31 मई 2025 निर्धारित थी। कार्यक्रम के तहत जिले में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग, वन विभाग, जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, जल संसाधन विभाग आदि की संयुक्त टीमों द्वारा 7,540 जल संग्रहण एवं भूजल पुनर्भरण संरचना जैसे एनिकट, चेकडेम, तलाई, परकोलेशन टैंक, रूफ-टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, सोक-पिट और रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण एवं जीर्णोद्धार किया गया। 1 अप्रैल 2024 से 15 जुलाई 2024 तक चलाए गए विशेष अभियान का प्रभाव जिले के भूजल स्तर में स्पष्ट रूप से देखा गया। भूजल विभाग द्वारा जारी 2024 के मानसून पूर्व एवं मानसून पश्चात् आंकड़ों के अनुसार चित्तौड़गढ़ जिले में भूजल स्तर में 13.99 मीटर की वृद्धि दर्ज की गई, जो राज्य में सर्वाधिक है। यह उपलब्धि जिले के सुनियोजित प्रयासों और जनभागीदारी आधारित जल संरक्षण की सफलता को प्रमाणित करती है।

पल्स पोलियो अभियान के संबंध में जिला टास्क फोर्स बैठक आयोजित

-सभी संबंधित विभाग अभियान की सफलता के लिए आपसी समन्वय से करें कार्य-एडीएम

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। आगामी 23 नवंबर को आयोजित उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के संबंध में अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने ने सभी संबंधित अधिकारियों को उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शत-प्रतिशत सफलता के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने तथा शून्य से 05 साल तक बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाने का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस अभियान की सफलता के लिए सभी एसडीएम एवं बीसीएमओ को निर्देश दिए हैं कि उपखण्ड स्तर पर टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित कर महत्वपूर्ण गतिविधियों की सघन कार्ययोजना बनाकर इनका सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। अभियान की सफलता के लिए धर्म गुरुओं से भी अपील करवाए। उन्होंने शिक्षा विभाग विभाग के अधिकारियों को पल्स पोलियो अभियान के लिए जिले की समस्त विद्यालय क्षेत्रों स्थानीय शिक्षकों द्वारा गृह संपर्क के दौरान अभियान का प्रचार-प्रसार के करने के निर्देश दिए। पोलियो बूथ के लिए चिन्हित शालाएं रविवार को भी खोली जाए। साथ ही आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि महिला बाल विकास द्वारा पल्स पोलिया अभियान से 3 दिन पूर्व 0 से 5 वर्ष के सभी बच्चों को घर-घर भ्रमण पश्चात शत-प्रतिशत नामवार सूचीबद्ध करना सुनिश्चित करें। समस्त आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा अभियान दिवसों का प्रचार-प्रसार करें। पोलियों बूथ चिन्हित पर आंगनवाडी केन्द्रों में अभियान दल के सदस्य के रूप में, स्थानीय कार्य योजना अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका का बूथ दल में शामिल रहें। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.धर्मसिंह मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 23 नवंबर को बूथ पर तथा अगले दो दिन घर-घर जाकर पोलियो दवा पिलाई जायेगी। अभियान की शत-प्रतिशत सफलता के लिए 1 हजार 31 बूथ, 17 मोबाइल टीम तथा 160 सुपरवाईजर्स की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही 22 ट्रांजिट दलों के माध्यम से पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान को सफल बनाने सूक्ष्म कार्ययोजना बनाई गई है।

सरदार@150: यूनिटी मार्च निकाल दिया देश की एकता और अखंडता का संदेश

-किसान भवन से कृषि विश्वविद्यालय तक पैदल चले केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल

-खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ, पंचारिया और गैदर सहित सैकड़ों लोग रहे साथ

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को सरदार@150 यूनिटी मार्च निकाली गई। माई युवा भारत की ओर से किसान भवन से स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय तक आयोजित यूनिटी मार्च का नेतृत्व केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया और पूरे मार्ग पैदल चलकर देश की एकता और अखंडता का संदेश दिया। किसान भवन से पैदल चले काफिले में पुलिस के जवान और सरकारी कार्मिक, जनप्रतिनिधि, स्काउट गाइड, एनसीसी, माई युवा भारत के प्रतिनिधि एवं आमजन मौजूद रहे। भारत माता की जयघोष और वन्देमातरम की गूंज और सरदार पटेल अमर रहे जैसे नारों के साथ यह काफिला कृषि विश्वविद्यालय पहुंचा। सभी ने हाथों में तिरंगा थाम रखा था तथा यूनिटी मार्च के टीशर्ट पहन एकरूपता दिखाई। यूनिटी मार्च के कृषि विश्वविद्यालय पहुंचने पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि सरदार पटेल ने देशी राज्यों के भारत संघ में विलीनीकरण का ऐतिहासिक कार्य किया। ऐसे महापुरुष को आज कृतज्ञ राष्ट्र नमन कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर सरदार पटेल के 150वें जन्म जयंती वर्ष पर 31 अक्टूबर से देशभर में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में यूनिटी मार्च निकालकर देश प्रेम, एकता और अखंडता का संदेश दिया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान में सरदार पटेल के 150वें जन्म जयंती वर्ष के साथ भगवान बिरसा मुंडा के जन्म की 150वीं जयंती और राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के कार्यक्रम भी आयोजित हो रहे हैं। मेघवाल ने कहा कि हमें ऐसे महापुरुषों के व्यक्तित्व और कृतित्व से सीख लेनी चाहिए। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि देश की एकता और अखंडता बनाए रखने में सरदार पटेल का बड़ा योगदान रहा है। पहली बार देशभर में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों में उनका स्मरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रयासों से गुजरात के केवड़िया की 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' को दुनिया भर में विशेष पहचान मिली है। श्याम पंचारिया ने कहा कि सरदार पटेल एक राष्ट्र, एक पहचान और एक संविधान के हिमायती थे। उन्होंने देश की 562 रियासतों के एकीकरण का कार्य किया। उनके 150वें जन्म जयंती वर्ष पर जिला और राज्य के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर यूनिटी मार्च का आयोजन किया जाएगा। डेढ़ सौ किलोमीटर तक होने वाली इस मार्च में भी बीकानेर के प्रतिनिधियों की भागीदारी रहेगी।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में पूर्व पार्षद कर रहे हैं कार्य में सहयोग

पाली (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत पूर्व पार्षद एवं जिला कांग्रेस महासचिव आमीन अली रंगरेज ने पिछले पांच दिनों से लगातार पाली शहर के विभिन्न वार्ड में घर-घर जाकर गणना पत्र भरने का कार्य कर रहे हे। इस दौरान रंगरेज ने आमजन से संवाद कर उन्हें एस आई आर प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण जानकारी देकर जनता के जायज मत की रक्षा हेतु जागरूक रहने का आह्वान कर कहा कि एस आई आर कार्यक्रम में हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़ा रहे ओर लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी निभाए।

विद्यार्थियों को किया एसआईआर के लिए जागरूक

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के अंतर्गत मतदाता सूची शुद्धिकरण हेतु जागरूकता अभियान के अन्तर्गत आर के पाटनी कॉलेज किशनगढ़ के सभागार में कॉलेज स्टाफ तथा विद्यार्थियों सहित 250 एवम आर के पाटनी गर्ल्स कॉलेज फरासिया किशनगढ़ में लगभग 300 प्रतिभागियों और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, घूघरा के कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ सहित 270 संभागियों को जिला स्वीप समन्वयक रामविलास जांगिड़ ने एसआईआर के गणना प्रपत्र को ऑनलाइन भरने की जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि उक्त प्रपत्र को भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के माध्यम से स्वयं मतदाता भी भर सकता है। मौके पर ही उपस्थित संभागियों ने ईएफ को ऑनलाइन करने का कार्य किया। उक्त प्रशिक्षण में प्रतिभागियों ने गणना प्रपत्र को ऑनलाइन भरा। इस अवसर पर बूथ लेवल ऑफिसर द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही गणना प्रपत्र की हार्ड कॉपी पर नवीनतम रंगीन फोटो के वर्ष 2002 की मतदाता सूची के आधार पर एवं उक्त वर्ष में स्वयं के अथवा माता-पिता या दादा-दादी की वोटर आई डी के नम्बर, आधार कार्ड नंबर, मोबाइल नंबर आदि के माध्यम से भी दी जा सकती है। कार्यशाला में उपस्थित समस्त प्रशिक्षणार्थियों को उनके मोबाइल के माध्यम से 2002 की मतदाता सूची में मतदाता के नाम को खोजना, एसआईआर फॉर्म को ऑनलाइन करना, भारत निर्वाचन आयोग के विभिन्न एप्लीकेशंस को उपयोग में लेना जिला स्वीप समन्वयक रामविलास जांगिड़ द्वारा प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर जिला स्वीप टीम के गरिमा अग्रवाल, रितु चौहान, नेमीचंद सहित सभी पदाधिकारी मौजूद थे।

लाल किला में होने वाली थी राम चरण की 'पेड्डी' की शूटिंग

मुंबई। राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेड्डी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म का कुछ हिस्सा दिल्ली के लाल किले में शूट होना था। लेकिन, दिल्ली में हुए एक बम विस्फोट के बाद इसे स्थगित कर दिया गया। राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए शूटिंग रोक दी गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, राम चरण की अपकमिंग मूवी 'पेड्डी' का कुछ पैचवर्क पूरा किया जाना था, जिसके लिए टीम को 17 नवंबर को लाल किला और उसके आसपास के एरिया में शूटिंग करने की अनुमति थी। हालांकि, शेड्यूल में कुछ बदलाव हुआ। टीम ने 15 और 16 नवंबर को शूटिंग के लिए डेट्स ब्लॉक कर दीं।

लाइफ Style

राशा

तेलुगु सिनेमा में तहलका मचाने को तैयार

एजेंसी ⏭ मुंबई

फिल्म 'आजाद' से बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकीं राशा थडानी अब साउथ फिल्म में नजर आएंगी। राशा ने 'उई अम्मा' गाने से सभी का दिल जीता। आज उन्होंने अपनी पहली तेलुगु फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर एक खास अंदाज में की।

राशा ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपना एक धांसू लुक शेयर किया। जिसमें वह बाइक के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। इस पोस्टर के साथ राशा ने कैप्शन में लिखा, 'नई शुरुआत, अनंत आभार। मैं तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हूं।' आगे राशा ने अजय भूपति का धन्यवाद देते हुए लिखा, 'सर, इस अवसर के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। इस सफर को शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। बहरहाल, इस पोस्ट में राशा ने फिल्म का नाम नहीं बताया है। लेकिन उनके इस बोल्ड और हॉट लुक को देखकर लग रहा है कि वह इस बार कुछ अलग करने वाली हैं। राशा की पहली तेलुगु फिल्म को अजय भूपति निर्देशित करेंगे। अजय ने कई लोकप्रिय फिल्में निर्देशित की हैं, जिनमें उनकी पहली फिल्म 'आरएक्स 100', 'महा समुद्रम' और 'मंगलावारम' शामिल हैं। अजय निर्देशक होने के साथ ही एक अच्छे लेखक भी हैं। राशा थडानी ने अभिनेत्री के तौर पर अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'आजाद' से की। राशा के अलावा यह फिल्म अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन की भी डेब्यू फिल्म थी। 'आजाद' एक पीरियड एक्शन-ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन अभिषेक कपूर ने किया है।

हॉलीवुड मसाला

बार एग्जाम की तैयारी पर हुईं भावुक

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल किम कार्दशियन पिछले कुछ महीनों से वकील बनने के लिए कैलिफोर्निया बार एग्जाम की तैयारी कर रही थीं। लेकिन परिणाम उनके पक्ष में नहीं आया और वो असफल हो गईं थीं, जिसकी जानकारी उन्होंने दी थी। अब उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा किया है। इसमें एक्ट्रेस ने परीक्षा के कुछ हफ्तों पहले अपनी तैयारियों की झलक दिखाई है। एक्ट्रेस किम कार्दशियन ने बार परीक्षा से दो सप्ताह पहले का वीडियो साझा किया है।

निक जोनस ने 'वाराणसी' की टीम को दी बधाई...

लॉस एंजिल्स। निक जोनस ने अपनी पत्नी प्रियंका चोपड़ा की नई फिल्म 'वाराणसी' की पूरी टीम को बधाई दी है। इसके साथ ही निक ने प्रियंका को 'मेरी देसी गर्ल' का टैग दिया। यह फिल्म एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही है और इसमें महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं। निक ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए पूरी टीम को बधाई दी और साथ ही में लिखा, 'पूरी टीम को बधाई। यह फिल्म जरूर शानदार होगी।' इसके साथ ही निक ने प्रियंका के खूबसूरत लुक की भी तारीफ की। प्रियंका ने सफेद लहंगे में तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वह बहुत सुंदर लग रही थीं। उनके लुक में चोकर, मांग टीका, चूड़ियां और लंबी चोटी शामिल थी। निक ने उनकी तस्वीर पर कमेंट किया, 'बहुत खूबसूरत' और 'मेरी देसी गर्ल।' ग्लोबट्रॉटर इवेंट के बाद प्रियंका ने अपना लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया।

साई पल्लवी को मिला कलैमामणि अवॉर्ड

मुंबई। साई पल्लवी इन दिनों अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म 'रामायण भाग 1' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। कई फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी के लिए साई को 'कलैमामणि अवॉर्ड' दिया गया। साई ने इस सम्मान के मिलने पर एक पोस्ट सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर अपनी खुशी जताई है। साई पल्लवी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने दादा और दादी के साथ तस्वीर शेयर की, जिसमें वे पुरस्कार का प्रमाणपत्र पकड़े नजर आ रही हैं। इसके अलावा साई ने तमिलनाडु मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ भी तस्वीरें शेयर कीं। इस पोस्ट के साथ साई ने कैप्शन में लिखा, 'कलैमामणि पुरस्कार मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मैं बचपन से इस नाम को सुनती आई हूं। तमिलनाडु सरकार, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और टीएन इयाल इसाई नादगा मंद्रम को धन्यवाद।

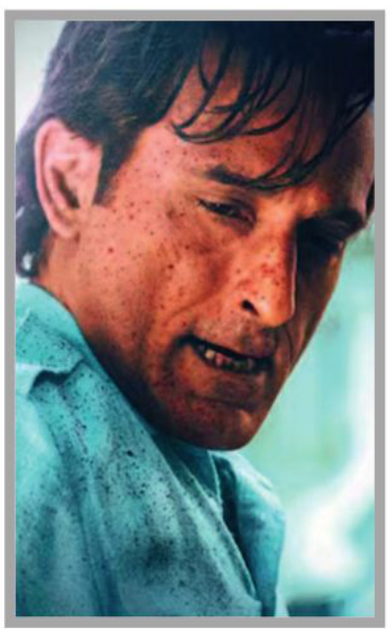

आज रिलीज होगा धुरंधर का ट्रेलर

मुंबई। बीते दिनों फिल्म धुरंधर के निर्माताओं ने ट्रेलर रिलीज इवेंट को कैंसिल कर दिया था। अब मेकर्स ने ट्रेलर रिलीज की नई तारीख और समय का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही फिल्म से अभिनेता अक्षय खन्ना का फर्स्ट लुक भी जारी किया गया है। इसमें उन्हें बेहद खतरनाक अंदाज में देख जा रहा है। निर्माताओं ने फिल्म 'धुरंधर' के ट्रेलर रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। 18 नवंबर को दिन के 12 बजकर 12 मिनट पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज होगा। यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक स्पाई-थ्रिलर एक्शन फिल्म होगी। पहले फिल्म का ट्रेलर निर्धारित तिथि 12 नवंबर को रिलीज किया जाना था। हालांकि, मेकर्स ने दिल्ली धमाके और दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के स्वास्थ्य का कारण बताते हुए इस कैंसिल कर दिया था।

टीवी मसाला

अमिताभ बच्चन की बात सुन मनोज के उड़ गए तोते

नई दिल्ली। कौन बनेगा करोड़पति 17 में फैमिली मैन 3 के एक्टर्स हॉट सीट पर थे। मनोज बाजपेयी, शारिब हाशमी और जयदीप अहलावत ने गेम शो के दौरान खूब मजे किए। प्रोमो में मनोज बाजपेयी जयदीप अहलावत और शारिब हाशमी को अमिताभ बच्चन के साथ हुई एक खतरनाक घटना के बारे में बता रहे हैं। वह बताते हैं, 'अमितजी ने एक बार मुझे मार दिया था। मेरा हार्ट अटैक हो जाता सिर्फ अमितजी के कारण। ये पूरा प्लान किया गया था मुझे ऊपर लेके जाना का। मैं अवाक रह गया कि इन्होंने क्या बोला। इन्होंने मेरी जान ले ली थी।' इस पर अमिताभ बच्चन मनोज बाजपेयी से कहते रहे कि सबको पूरा सच बताएं कि असल में क्या हुआ था, लेकिन मनोज बाजपेयी ने ये राज नहीं खोला। हालांकि कपिल शर्मा के शो पर मनोज बाजपेयी एक बार बता चुके हैं कि बिग बी ने उनके साथ क्या प्रैंक किया था। मनोज और अमिताभ बच्चन अक्स फिल्म में साथ काम कर चुके हैं। मनोज ने बताया था कि एक एक्शन सीन में उन्हें 100 फीट से कूदना था। मनोज बाजपेयी ऊंचाई से डरते हैं। उन्होंने बताया था, 'पहले तो मैंने जाके देखा, मैंने कहा, यार किसी तरह यह अवॉइड हो सकता है क्या। एक्शन डायरेक्टर ने मुझे बहुत तैयार किया, मनोज तू घबरा मत, सब हो जाएगा, सिर्फ आंख बंद कर लेना। बच्चन साब रहेंगे वहां पे कुछ नहीं होगा तुझे। सब ठीक होगा बस अपनी आंखें बंद कर लो।' मनोज बाजपेयी ने बताया कि वह पूरे समय अपनी आंखें बंद किए रहे, उन्हें एक झरने के पास कूदने के लिए ले जाया जा रहा था। बोले, 'आंख बंद किया हुआ मैंने, बच्चन साब मेरा हाथ पकड़े हुए हैं। हम लोग करीब 80-85 फीट तक गए थे तो बच्चन साब की आवाज आई, मनोज यार कुछ हो जाए तो जया को बोल देना कि यार... मैंने कहा, सर मैं डर रहा हूं। वो बोले, यार सच में घर पर खबर कर देना।' इस शूट में मनोज बाजपेयी की हालत खराब हो गई थी।

रुबीना दिलैक-अभिनव शुक्ला बने विनर

नई दिल्ली। टीवी का पॉपुलर कपल रियालिटी शो धमाल विद पति पत्नी और पंगा का बीते रविवार को फिनाले था। ड्रामा, इमोशन और मनोरंजन से भरपूर इस शो का पहला सीजन खत्म हो गया है। पति पत्नी और पंगा एक नए कॉन्सेप्ट की शुरुआत थी। इस रियालिटी शो के पहले सीजन के विनर टीवी जगत के लोकप्रिय कपल रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला हैं। इस जोड़ी ने सर्वगुण संपन्न टाइटल जीत शो का खिताब अपने नाम किया है। रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला ने गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी को हराकर शो की ट्रॉफी अपने नाम की। देबिना और गुरमीत दूसरे नंबर पर रहे। फैंस का मानना है अभिनव शुक्ला रुबीना के लिए लकी हैं। रुबीना के साथ अभिनव शुक्ला ने बिग बॉस में भी हिस्सा लिया था और एक्ट्रेस ने उस रियालिटी शो का खिताब भी अपने नाम करने में सफल रही थीं।

मां ने जिस बेटी को बनाया सुपरस्टार उसी ने कोर्ट में घसीटा

शोभना समर्थ का असल नाम सरोज शिलोत्री था। अभिनेत्री का शुरुआती जीवन बहुत कठिन रहा, क्योंकि पिता की मौत के बाद वे अपनी मां के साथ बॉम्बे में अपने मामा के घर आ गईं और वहीं कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ाई की, लेकिन घर की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए उन्होंने फिल्मों में कदम रखा। उनके मामा ने फिल्मों में काम करने का विरोध किया, क्योंकि फिल्मों में काम करने वाली लड़कियों को गलत नजर से देखा जाता था। उस वक्त रंगमंच या फिल्मों में महिलाओं का रोल करने के लिए पुरुष ही महिला बनते थे या सेक्स वर्कर महिला का किरदार निभाती थीं। इसके अलावा, इस पेशे में न तो ज्यादा वेतन मिलता था और न ही सम्मान। इन सभी चुनौतियों का सामना करते हुए शोभना समर्थ ने फिल्मों में कदम रखा।

नई दिल्ली। शोभना समर्थ ने करियर की शुरुआत 1935 में आई फिल्म 'निगाह-ए-नफरत' से की। फिल्म उर्दू और मराठी में रिलीज हुई थी, लेकिन बाद में फिल्म हिंदी में भी आई। फिल्म पर्दे पर असफल रही, लेकिन शोभना पहली ही फिल्म से चर्चा में आ गई थीं। वह 1937 में आई 'कोकिला', 1936 में आई 'दो दीवाने', 1938 में आई 'निराला हिंदुस्तान', और 1939 में आई 'पति पत्नी' समेत कई फिल्मों में दिखीं, लेकिन उन्हें पहचान 1943 में आई प्रसिद्ध फिल्म 'राम राज्य' से मिली, जिसमें उन्होंने मां सीता का रोल किया था।

पैसों के गलत इस्तेमाल का आरोप

एक्ट्रेस ने फिल्म निर्देशक कुमारसेन समर्थ से शादी की। कपल चार बच्चों के माता-पिता बने। उन्होंने बेटी नूतन, तनुजा, चतुरा और एक बेटे जयदीप की परवरिश की। नूतन और तनुजा, दोनों 1950-1980 के दशक की शीर्ष अभिनेत्रियां रहीं। इतना ही नहीं, इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए तनुजा की बेटी एक्ट्रेस काजोल मशहूर अभिनेत्री रही हैं और आज तक पर्दे पर उनका जलवा कायम है। नूतन ने अपनी मां शोभना समर्थ पर पैसों के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया था, जिससे बात कोर्ट तक जा पहुंची। नूतन का तर्क था कि उनकी प्रोडक्शन कंपनी में जो पैसा आता है, वह नूतन के हिस्से में भी आता है, इसलिए वह अपने 30% हिस्से का ही टैक्स देंगी और बाकी टैक्स का भुगतान शोभना समर्थ को करना होगा।

धर्मवीर में पहली बार बाल कलाकार के रूप में पर्दे पर आए थे बॉबी

नई दिल्ली। लॉर्ड बॉबी यानी एक्टर बॉबी देओल ने साल 1995 में फिल्म 'बरसात' से एक्टिंग डेब्यू किया था। मगर, पहली फिल्म से 18 साल पहले ही वे पर्दे पर नजर आ चुके थे। बॉबी देओल नजर आए बतौर बाल कलाकार। अपने पिता और दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की फिल्म 'धर्मवीर' में बॉबी देओल ने उनके बचपन का रोल निभाया। बॉबी ने सिर्फ एक डायलॉग बोलकर अपनी मासूमियत से दर्शकों का दिल जीत लिया। बॉबी देओल ने जब 'धर्मवीर' में काम किया तब उनकी उम्र महज छह साल थी। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया, 'मैं छह साल का था। मैं हमेशा से एक्टर बनना चाहता था, पापा की फिल्म धर्मवीर की शूटिंग हो रही थी और उन्हें एक बच्चा चाहिए था, जिसकी टांगे पापा की तरह हैवी हों, लेकिन उन्हें ऐसा कोई भी बच्चा नहीं मिल पाया, वहीं, एक मिला भी तो वह काफी कमजोर था'।

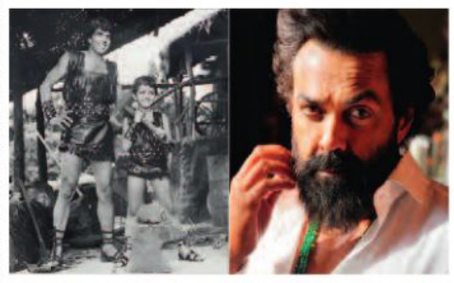

एक रात पहले पिता धर्मेंद्र ने पूछा था सवाल

बॉबी देओल ने आगे कहा, 'फिर पापा ने मेरे बारे में सोचा। एक रात पहले ही उन्होंने मुझसे पूछा, 'क्या तुम मेरी फिल्म में काम करोगे? मेरे बचपन का रोल है। मैंने पापा को कहा, 'हां, क्यों नहीं'। अगले दिन मैं सेट पर गया। मुझे थोड़ी घबराहट हो रही थी। मुझे मेरे पिता की जैसी एक ड्रेस पहनाई गई। फिल्म में बॉबी देओल हथौड़ा मारकर पत्थर तोड़ते हैं। सीन में उनसे कहा जाता है, 'तू राम दीन का बेटा है। हथौड़े का एक फटका दस के बराबर होना चाहिए'। इस पर बॉबी देओल कहते हैं, 'ये बात है बाबा तो ये लो'। वह हथौड़ा मारते हैं और इसके बाद सीन में धर्मेंद्र की एंट्री हो जाती है।

कई ऐसे कलाकार हैं, जो अपने किरदार को रियल बनाने करते हैं कड़ी मेहनत

इन कलाकारों ने बॉडी में किया इतना बदलाव कि पहचानना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली। *बॉलीवुड के कई ऐसे कलाकार हैं, जो अपने किरदार को निभाने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। कई कलाकार ऐसे हैं, जिन्होंने किरदार को रियल बनाने के लिए ट्रेनिंग ली। कई कलाकारों ने अपना वजन घटाया। आज हम उन कलाकारों के बारे में बात करेंगे, जिन्होंने फिल्मों में किरदार निभाने के लिए अपनी बॉडी में बड़े बदलाव किए।*

रणदीप हुड्डा : साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'सरबजीत' में अभिनय करने के लिए रणदीप हुड्डा ने अपनी बॉडी में बड़ा बदलाव किया था। सरबजीत सिंह के किरदार में ढलने के लिए उन्होंने 28 दिन में अपना वजन 18 किलोग्राम कम कर लिया था। वजन घटने के बाद रणदीप हुड्डा को पहचानना मुश्किल हो रहा था।

ऋतिक रोशन : साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'सुपर 30' काफी चर्चा में रही। यह फिल्म इसलिए भी चर्चा में रही थी, क्योंकि फिल्म में आनंद कुमार का किरदार निभाने के लिए ऋतिक रोशन ने वजन बढ़ाया। उन्होंने अपने सिक्स पैक छोड़े थे, ताकि वह आम आदमी की तरह दिख सकें। उनके इस लुक की काफी तारीफ हुई थी।

राजकुमार राव : साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'ट्रैप्ड' में राजकुमार राव ने एक ऐसे शख्स का किरदार निभाया था, जो एक अपार्टमेंट फंस जाता है। इसके बाद वह कई दिनों तक भूखा रहता है। इस किरदार को निभाने के लिए उन्होंने अपना वजन घटाया था। वजन कम करने के दौरान उन्होंने ब्लैक कॉफी और गाजर खाया।

आमिर खान : फिल्म 'दंगल' (2016) में आमिर खान ने पहले एक पहलवान, फिर दो बेटियों के कोच और पिता का किरदार निभाया है। कोच और पिता का किरदार निभाने के लिए आमिर खान ने पहले अपना वजन 27 किलो बढ़ा लिया। इसके बाद नौजवान पहलवान का किरदार निभाने के लिए उन्होंने वजन कम किया। फिल्म में उनकी अदाकारी को खूब पसंद किया गया।

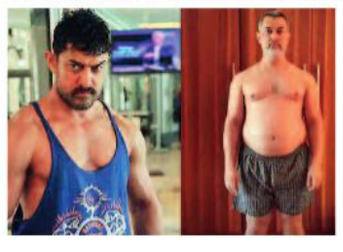

फरहान अख्तर : फरहान अख्तर उन कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने रियल दिखने के लिए अपनी बॉडी में बदलाव किए। फिल्म 'तूफान' (2021) में उन्होंने एक बॉक्सर का किरदार निभाया है। इसके लिए उन्होंने बॉक्सिंग की ट्रेनिंग ली। अपने किरदार के हिसाब से दिखने के लिए उन्होंने वजन कम किया और काफी मेहनत की।

सिनर ने अपने चिर प्रतिद्वंदी अल्काराज को हराकर रखा एटीपी फाइनल्स का खिताब बरकरार

एजेंसी ▸▸ तूरिन

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपने चिर प्रतिद्वंदी और विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज कार्लोस अल्काराज को 7-6 (4), 7-5 से हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब बरकरार रखा। यह इस साल पुरुष टेनिस में दबदबा बनाए रखने वाले इन दोनों खिलाड़ियों के बीच छठी भिड़ंत थी।

इटली के सिनर ने अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने खिताब का बचाव किया, जो इस वर्ष अल्काराज पर उनकी दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने विंबलडन फाइनल में भी इस स्पेनिश खिलाड़ी को हराया था।

पुरुष टेनिस में दबदबा बनाए रखने वाले दोनों खिलाड़ियों के बीच हुई छठी भिड़ंत

तीन ग्रैंडस्लैम फाइनल में आमने-सामने रहे दोनों दिग्गज

सिनर और अल्काराज पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फाइनल में आमने-सामने रहे हैं। अल्काराज ने सिनर को पांचवें सेट के टाईब्रेकर में हराकर फ्रेंच ओपन जीता। सिनर ने विंबलडन में बदला चुकता किया लेकिन अल्काराज अमेरिकी ओपन के फाइनल में फिर से जीत हासिल करने में सफल रहे।

युगल फाइनल में जीती हेलियोवारा और पैटन की जोड़ी

अल्काराज ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि आप (सिनर) अगले साल के लिए तैयार रहोगे क्योंकि मैं आपके खिलाफ और अधिक फाइनल खेलने के लिए तैयार रहूंगा।' इस बीच युगल फाइनल में हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटन ने जो सैलिसबरी और नील स्कुप्स्की को 7-5, 6-3 से हराया।

सिनर से 10-6 से आगे अल्काराज

इस साल दो ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सिनर ने कहा, 'यह सत्र अविश्वसनीय रहा। इटली के अपने प्रशंसकों के सामने इस तरह से इसे समाप्त करना मेरे लिए बहुत खास है।' अल्काराज ने पहले ही वर्ष के अंत में नंबर एक रैंकिंग अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। वह वर्ष के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच खेली गई इस प्रतियोगिता में अपना पहला फाइनल खेल रहे थे। अल्काराज अभी भी सिनर के साथ अपने करियर मुकाबलों में 10-6 से आगे हैं।

सिया कोलीसी ने अल्काराज-सिन्नर के मुकाबले को बताया ऐतिहासिक

ट्यूरिन में एक तरफ रग्बी के मैदान पर सिया कोलीसी ने दक्षिण अफ्रीका को इटली के खिलाफ 32-14 से जीत दिलाई, वहीं कुछ ही घंटों बाद वे निट्टो एटीपी फाइनल्स में पहुंचे, जहां कार्लोस अल्काराज और सिनर का मुकाबला देखा और इसे ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह अनुभव उनके लिए बेहद खास रहा है। कोलीसी ने माना कि स्पेनिश खिलाड़ी की ताकत और गति वाकई देखने लायक है। गौरतलब है कि कोलीसी की टेनिस खिलाड़ियों से करीबियां नई बात नहीं है। वे पहले भी रोजर फेडरर के साथ कई कार्यक्रमों में साथ देखे जा चुके हैं। कोलीसी ने बताया कि फेडरर से उन्होंने सबसे ज्यादा यह सीखा है कि खेल में मानसिक दृढ़ता कितनी महत्वपूर्ण होती है। एक पॉइंट खोने के बाद तुरंत अगले पॉइंट पर ध्यान लगाना ही असली चैंपियन की पहचान है।

खबर संक्षेप

पाकिस्तान ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराया

रावलपिंडी। पाकिस्तान ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंका को 32 गेंद शेष रहते छह विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। श्रीलंका के बल्लेबाज फिर से अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए और उसकी टीम 45.2 ओवर में 211 रन बनाकर आउट हो गई। सदीरा समरविक्रमा ने 48 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उनके अलावा कप्तान कुशल मेंडिस ने 34 और पवन रत्नायके ने 32 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद वसीम ने तीन विकेट लिए। पाकिस्तान ने 44.4 ओवर में चार विकेट पर 215 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। उसकी तरफ से मोहम्मद रिजवान (नाबाद 61) और फखर जमां (55) ने लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक जमाए। उनके अलावा बाबर आजम ने 34 रन का योगदान दिया। हुसैन तलत 42 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान ने पहले एकदिवसीय मैच में छह रन से और दूसरे मैच में आठ विकेट से जीत दर्ज की थी।

टेस्ट क्रिकेट को किया जा रहा बर्बाद : हरभजन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ईडन गार्डन्स जैसी कम तैयार और गेंदबाजों के लिए अत्यधिक अनुकूल पिच को 'टेस्ट क्रिकेट का विनाश' करार देते हुए कहा कि इस तरह की स्थिति खिलाड़ियों के वास्तविक विकास में बाधा डालती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 30 रनों से हार गया और यह मुकाबला तीन दिन के अंदर ही समाप्त हो गया। हरभजन ने कहा, 'उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। टेस्ट क्रिकेट को भावपूर्ण श्रद्धांजलि।' उन्होंने कहा, ' उन्होंने जिस तरह का काम किया है, जिस तरह की पिचें इतने वर्षों से बनाई जा रही हैं, मैं उसे देखता आ रहा हूं। कोई इसके बारे में बात नहीं करता क्योंकि जब टीम जीत रही होती है तो सब ठीक लगता है।

ईस्ट बंगाल महिला टीम ने ईरान को हराया

वुहान। सिल्की हेमम, फाजिला इक्वापुट और रेस्टी नानजिरी के गोल की बदौलत ईस्ट बंगाल एफसी ने एएफसी महिला चैंपियंस लीग 2025-26 ग्रुप बी के अपने पहले मैच में ईरान की टीम बाम खातून एफसी को 3-1 से शिकस्त दी टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में मिली जीत ईस्ट बंगाल का हौसला बढ़ेगा क्योंकि अब टीम के सामने अगले मैच में गत चैंपियन वुहान जियांगडा महिला एफसी की मुश्किल चुनौती होगी। सिल्की ने मैच के चौथे मिनट में ही ईस्ट बंगाल को बढ़त दिला दी। इक्वापुट ने मैच के 32वें मिनट में अमनाह नाबाबी के मिली शानदार पास को गोल में बदलकर इस बढ़त को दोगुना कर दिया।

रणजी ट्रॉफी : स्मरण ने चंडीगढ़ के खिलाफ खेली 227 रन की नाबाद पारी

22 साल के स्मरण का धमाल, फर्स्ट क्लास क्रिकेट में बनाई तीसरी बार डबल सेंचुरी

स्मरण को आईपीएल 2026 के लिए सनराइजर्स हैदराबाद ने किया रिटेन

एजेंसी ▸▸ हुबली

रणजी ट्रॉफी में कर्नाटक के 22 साल के बाएं हाथ के बल्लेबाज आर स्मरण ने दूसरा दोहरा शतक जड़ दिया। उन्होंने हुबली में ग्रुप बी के मुकाबले में चंडीगढ़ के खिलाफ 227 रन की नाबाद पारी खेली। यह आर स्मरण का इस सीजन में दूसरा दोहरा शतक रहा। उनकी इस पारी से कर्नाटक ने आठ विकेट पर 547 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। स्मरण के अलावा करुण नायर ने 95, श्रेयस गोपाल ने 62 और शिखर शेट्टी ने 59 रन बनाए।

बल्लेबाज स्मरण जब बल्लेबाजी को उतरे तब कर्नाटक की टीम तीन विकेट पर 64 रन के स्कोर पर जूझ रही थी। उन्होंने नायर के साथ 119 रन की साझेदारी की। इससे कर्नाटक की टीम मुकाबले में वापसी हुई। नायर के आउट होने के बाद स्मरण ने एक छोर थाम लिया और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने 343 गेंद में 15 चौकों व एक छक्के की मदद से दोहरा शतक पूरा किया। यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनकी कुल तीसरी डबल सेंचुरी रही।

स्मरण 12 मैच में ठोक चुके हैं तीन दोहरे शतक

स्मरण ने पिछले सीजन कर्नाटक के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। अभी तक 12 मैच इस फॉर्मेट में खेले हैं और कुल चार शतक व तीन अर्धशतक उनके नाम हैं। चार शतकों में से तीन तो दोहरे शतक हैं। उन्होंने पहली डबल सेंचुरी पंजाब के खिलाफ जनवरी 2025 में लगाई थी। इसके बाद नवंबर 2025 में वर्तमान सीजन के तीसरे राउंड में केरल के खिलाफ नाबाद 220 रन की पारी खेली। अब चंडीगढ़ के खिलाफ पांचवें राउंड में भी दोहरा शतक बनाया। इसमें उन्होंने 16 चौके व दो छक्के लगाए।

स्मरण को सनराइजर्स ने किया था रिटेन

स्मरण को पिछले आईपीएल सीजन के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद ने इंजरी रिप्लेसमेंट को तौर पर लिया था। हालांकि खेलने का मौका नहीं मिला लेकिन उन्हें आईपीएल 2026 के लिए रिटेन किया गया है। फ्रेंचाइज के इस दांव को सही कहा जा रहा है क्योंकि स्मरण को काफी प्रतिभाशाली कहा जा रहा है। उनकी टी20 में स्ट्राइक रेट 170 की है। अभी तक इस फॉर्मेट में उन्होंने छह मैच खेले हैं और एक फिफ्टी से 170 रन बनाए हैं।

गोवा के खिलाफ सौराष्ट्र ने खड़ा किया पहाड़ जैसा स्कोर

रणजी ट्रॉफी के पांचवें चरण के मुकाबले में गोवा के खिलाफ सौराष्ट्र ने पहली पारी में सात विकेट पर 585 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। सौराष्ट्र को इस स्कोर तक पहुंचाने में टीम के बल्लेबाज प्रेरक मांकड़ और समर गज्जर की शतकीय पारी के अलावा गोवा के ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर तथा दर्शन मिसाल का भी बड़ा योगदान रहा। सौराष्ट्र के खिलाफ गोवा के तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर ज्यादा प्रभावी नहीं रहे, जबकि दर्शन मिसाल बल्लेबाजों की रफ्तार पर लगाम लगाने में नाकाम रहे। अर्जुन तेंदुलकर ने जहां 29 ओवर में 145 रन लुटाए। वहीं दर्शन मिसाल ने 46 ओवर में 195 रन दिए। दर्शन मिसाल तो चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेजने में भी सफल रहे, जबकि अर्जुन तेंदुलकर सिर्फ एक विकेट ही चटका पाए। गोवा के लिए कौशिक और मोहित रेडकर ने भी एक-एक सफलता हासिल की। सौराष्ट्र के मध्यक्रम के बल्लेबाज प्रेरक ने शानदार पारी खेलते हुए 4 छक्के और 18 चौकों की मदद से 155 रन बनाए। समर गज्जर ने भी 14 चौके और एक छक्के की मदद से 168 गेंद में 116 रन की पारी खेली। हेतविक कोटक 50 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी 119 गेंद की पारी में छह चौके लगाए। पार्थ भट 26 रन बनाकर आउट हुए। धर्मेंद्र सिंह जडेजा ने 15 रन बनाकर नाबाद रहे। टीम का स्कोर जब 150 ओवर में 7 विकेट पर 585 रन था, तभी सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने पारी समाप्ति की घोषणा की।

निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप

गोल्ड से चूके गुरप्रीत, जीता रजत तीसरे स्थान पर रहा भारत

एजेंसी ▸▸ काहिरा

ओलंपियन गुरप्रीत सिंह पुरुषों की 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धा में विश्व चैंपियन बनने के बेहद करीब पहुंच गए थे लेकिन यहां ओलंपिक निशानेबाजी रेंज में यूक्रेन के पावलो कोरोस्टाइलोव से इनर 10 (10 अंक का अंदरुनी हिस्सा) के आधार पर हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह विश्व चैंपियनशिप में गुरप्रीत का दूसरा व्यक्तिगत पदक है। उन्होंने इससे पहले 2018 में चांगवोन में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में ही रजत पदक जीत था। भारत तीन स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य सहित कुल 13 पदक के साथ चीन और दक्षिण कोरिया के बाद तीसरे स्थान पर रहा। चीन ने 12 स्वर्ण, सात रजत और दो कांस्य पदक सहित कुल 21 पदक जीते। दक्षिण कोरिया ने सात स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक से दूसरा स्थान हासिल किया।

गुरुप्रीत ने प्रिसिजन और रेपिड चरणों में जुटाए थे कुल 584 अंक

गुरप्रीत ने दो दिन की प्रतियोगिता में प्रिसिजन और रेपिड चरणों में कुल 584 अंक जुटाए, जिसमें 18 निशाने 10 अंक के अंदरुनी हिस्से में रहे। कोरोस्टाइलोव ने 29 निशाने 10 अंक के अंदरुनी हिस्से में मारे। उन्होंने अंतिम रेपिड दौर में 100 का परफेक्ट स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता। गुरप्रीत प्रिसिजन चरण के बाद 288 अंक (95,97,96) के साथ नौवें स्थान पर थे लेकिन दूसरे दिन वापसी करते हुए रेपिड चरण में 296 (98,99,99) का शानदार स्कोर बनाकर रजत पदक जीता। प्रिसिजन चरण के बाद 291 अंक के साथ शीर्ष रह मौजूद रहे यूक्रेन के निशानेबाज ने रेपिड चरण में 293 अंक हासिल करके गुरप्रीत के स्कोर की बराबरी की और 10 अंक के अंदरुनी हिस्से में अधिक निशाने लगाकर खिताब जीता। प्रिसिजन चरण में हरप्रीत सिंह 291 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए पदक की दौड़ में थे लेकिन रेपिड चरण में 286 अंक ही बना पाए और नौवें स्थान पर रहे।

बधिर ओलंपिक

अनुया ने जन्मदिन पर विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, जीता गोल्ड

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

युवा अनुया प्रसाद और प्रांजलि प्रशांत धूमल ने तोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक में महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक हासिल किया। अनुया ने अपने जन्मदिन पर बधिर फाइनल विश्व रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया जबकि प्रांजलि ने क्वालीफिकेशन में विश्व रिकॉर्ड तोड़कर फाइनल में जगह बनाई थी। पुरुषों की दस मीटर एयर पिस्टल में अभिनव देशवाल ने क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की और रजत पदक जीता।

भारत के निशानेबाजी में सात पदक

भारत के दूसरे दिन निशानेबाजी में सात पदक हो गए हैं। हैदराबाद में ओलंपियन गगन नारंग की अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाले धनुष श्रीकांत ने रविवार को 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता था। अनुया ने क्वालीफिकेशन दौर में 564 स्कोर करके तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। वहीं प्रांजलि ने क्वालीफिकेशन में नया रिकॉर्ड बनाते हुए 572 स्कोर किया था। उन्नीस वर्ष की अनुया ने फाइनल में 241.1 स्कोर करके पीला तमगा जीता । इससे पहले हनोवर में पिछले साल उन्होंने बधिर विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता था। ईरान की माहला सामी को कांस्य पदक जीता। पुरुष वर्ग में 2022 बधिर ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अभिनव देशवाल ने 235.2 स्कोर करके रजत पदक जीता। कोरिया के ताए यंग किम वोन ने 238.2 अंक के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। क्रोएशिया के बोरिस ग्रामनियाक को कांस्य पदक मिला।

लक्ष्य और प्रणय पेश करेंगे चुनौती सात्विक-चिराग पर रहेगी निगाह

सिडनी। भारत के एकल खिलाड़ी जब अपने प्रदर्शन में निरंतरता हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं तब एक बार फिर सभी की निगाहें सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष युगल जोड़ी पर टिकी रहेगी, जो 18 नवंबर से शुरू हो रहे आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सत्र का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन का पहला मुकाबला चीनी ताइपे के चांग को-ची और पो ली-वेई से होगा। वहीं चोटों और खराब फॉर्म से जूझ रहे भारत के एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय अपने प्रदर्शन में निरंतरता लाने की कोशिश करेंगे।

ली यांग से लक्ष्य का पहला मुकाबला : लक्ष्य पिछले सप्ताह जापान ओपन के सेमीफाइनल में हार गए थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में उनका पहला मुकाबला चीनी ताइपे के सु ली यांग से होगा। प्रणय को इस टूर्नामेंट में पिछले साल उपविजेता रहे थे लेकिन फिलहाल वह भी लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

राजस्थान रॉयल्स के निदेशक संगकारा को मिली मुख्य कोच की भी जिम्मेदारी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच पद से हटने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा को 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपना मुख्य कोच नियुक्त किया। द्रविड़ ने इस साल अगस्त में फ्रेंचाइजी छोड़ दी थी। संगकारा 2021 से फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक रहे हैं। वह 2021 से 2024 तक मुख्य कोच की भूमिका भी निभा रहे थे।

राजस्थान रॉयल्स ने कहा 'क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा आईपीएल 2026 के लिए मुख्य कोच के रूप में भी कार्यभार संभालेंगे।' पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ का कार्यकाल अचानक समाप्त हो गया, जो 2025 में लंबी अवधि के अनुबंध के साथ फ्रेंचाइजी में लौटे थे। टी20 विश्व कप विजेता पूर्व राष्ट्रीय कोच ने इस साल की शुरुआत में टीम के खराब प्रदर्शन की 'संरचनात्मक समीक्षा' के बाद पद छोड़ दिया। राजस्थान रॉयल्स का पिछले सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा था तथा उसकी टीम 10 टीमों के इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में से केवल चार जीत के साथ नौवें स्थान पर रही थी। राजस्थान रॉयल्स ने पिछले सत्र तक अपने कप्तान रहे संजू सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ट्रेड किया है। इसके बदले में उसने रविंद्र जडेजा को अपनी टीम में शामिल किया है।

2026 में अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में होगा फीफा विश्व कप

हालंद ने दिलाया नॉर्वे को 28 साल बाद विश्व कप का टिकट

एजेंसी ▸▸ लिस्बन

एर्लिंग हालंद के दो शानदार गोलों की बदौलत नॉर्वे ने इटली को 4-1 से हराकर 1998 के बाद पहली बार फुटबॉल विश्व कप में जगह बना ली। दूसरी ओर, अफ्रीका में हुए निर्णायक मुकाबले में कांगो ने नाइजीरिया को पेनल्टी शूटआउट में हराकर 2026 विश्व कप की दौड़ से बाहर कर दिया। फीफा विश्व कप 2026 में 48 टीमें हिस्सा लेंगी।

नॉर्वे ने अपने ग्रुप में जीते सभी मैच, हासिल किए 24 अंक

मिलान के मशहूर मैदान में हुए मुकाबले में नॉर्वे को विश्व कप में पहुंचने के लिए भारी हार से बचना था, लेकिन टीम ने इसके बजाय अपने ग्रुप में सभी मैच जीतकर 24 अंक हासिल किए। हालंद ने 78वें और 79वें मिनट में लगातार दो गोल दागे। अब तक पूरे अभियान में हालंद ने 16 गोल किए, जो यूरोप में सबसे अधिक हैं। नॉर्वे के कोच स्टेल सोलबेक्कन ने कहा, 'हमने अपना काम शानदार तरीके से पूरा किया है, अब आगे की रणनीति तय होगी।' बता दें कि 1998 में जब नॉर्वे विश्व कप खेला था, तब हालंद के पिता टीम का हिस्सा थे।

इटली को अब प्ले-ऑफ सहारा

इटली के लिए यह हार बेहद निराशाजनक रही। 11वें मिनट में इटली ने गोल किया, लेकिन इसके बाद 63वें मिनट में नुसा ने बराबरी की। उसके बाद हॉलैंड ने दो गोल दागे। इंजरी समय में नॉर्वे के जॉर्गन लार्सन ने चौथा गोल ठोक दिया। इससे इटली लगातार तीसरी बार विश्व कप से बाहर होने के कगार पर खड़ा है। टीम 2018 और 2022 में भी फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई थी।

अब तक कुल 32 टीमें कर चुकी हैं क्वालिफाई

मेजबान देश : कनाडा, मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका
एशिया : ऑस्ट्रेलिया, ईरान, जापान, जॉर्डन, कतर, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, उज्बेकिस्तान
अफ्रीका : अल्जीरिया, केप वर्ड, मिस्र, घाना, आइवरी कोस्ट, मोरक्को, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका, ट्यूनीशिया
यूरोप : क्रोएशिया, इंग्लैंड, फ्रांस, नॉर्वे, पुर्तगाल
ओशिनिया : न्यूजीलैंड
दक्षिण अमेरिका : अर्जेंटीना, ब्राजील, कोलंबिया, इक्वाडोर, पराग्वे, उरुग्वे

बंगबंधु के नाम से भी जाना जाते शेख हसीना के पिता,उनका बड़ा योगदान

फिर याद आएः शेख मुजीबुर रहमान के जैसा ही है घटनाक्रम, जब बेटी की तरह पिता को भी मिली थी मौत की सजा, बाद में हुई हत्या

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी पाते हुए मौत की सजा सुनाई है। शेख हसीना पर पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुए विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध के आरोप तय किए गए थे। शेख हसीना वर्तमान में भारत में रह रही हैं। यह मुकदमा उनकी गैरमौजूदगी में चलाया गया था। इससे पहले उनके पिता शेख मुजीबुर रहमान को भी ऐसे ही आरोपों में मौत की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, बाद में चुनाव जीतने के बाद पाकिस्तान की सरकार को उन्हें रिहा करना पड़ा था। लेकिन, बाद में एक तख्तापलट के दौरान शेख मुजीबुर रहमान की उनके परिवार के कई सदस्यों के साथ हत्या कर दी गई थी।

पाकिस्तानी सेना ने शेख के आवास पर बोला था धावा

शेख हसीना

उसी रात पाकिस्तानी सेना की एक टुकड़ी 32 धनमंडी स्थित शेख मुजीबुर रहमान के आवास पर पहुंची। सैनिकों ने पहुंचते ही गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे शेख की सुरक्षा में तैनात एक स्थानीय सुरक्षा कर्मी को भी एक गोली लगी और उसकी तुरंत मौत हो गई। इस दौरान सेना के अफसर ने लाउडस्पीकर पर चिल्लाकर कहा कि वह शेख मुजीबुर रहमान को पकड़ने आए हैं। उन्होंने शेख से नीचे आकर आत्मसमर्पण करने को कहा। पाकिस्तानी सैनिकों की गोलीबारी को देखते हुए शेख मुजीबुर रहमान नीचे आए और सैनिकों ने उन्हें पकड़ लिया। शेख को बंदूकों के बट से धक्का देकर जीप पर बैठाया गया।

पाकिस्तान ने शेख मुजीबुर रहमान को बाद में रिहा किया

पाकिस्तान ने 7 जनवरी 1972 को शेख मुजीबुर रहमान को रिहा कर दिया। उन्हें पाकिस्तान से विदा करने के लिए खुद जुल्फिकार अली भुट्टो चकलाला एयरपोर्ट पहुंचे। हालांकि, इस दौरान दोनों नेताओं में कोई बातचीत नहीं हुई। शेख पहले लंदन गए और वहां से दो दिन बाद नई दिल्ली लौटे। नई दिल्ली एयरपोर्ट पर उनकी भव्य अगवानी की गई।

रहमान को सैनिकों ने गोलियों से भूना

1975 आते-आते चीजें उनके हाथ से निकलना शुरू हो गईं। देश में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, लूटमार की घटनाएं बढ़ने लगी। 15 अगस्त, 1975 की सुबह बांग्लादेशी सेना के कुछ जूनियर अफसरों ने शेख मुजीबुर रहमान के 32 धनमंडी स्थित आवास पर हमला बोल दिया। इसके बाद उन सैनिकों ने जो भी सामने दिखा, उसे निशाना बनाना शुरू कर दिया।

खबर संक्षेप

रूस से स्वदेश लाया गया भारतीय छात्र का शव

जयपुर। रूस में लापता हुए राजस्थान के अलवर जिले के 22 वर्षीय मेडिकल छात्र अजीत चौधरी का शव सोमवार सुबह उनके पैतृक गांव लाया गया। उनके गांव कफनवाड़ा में मातम पसरा रहा, जहां परिवार और ग्रामीण युवा छात्र को अंतिम विदाई देने के लिए जुटे। अजीत चौधरी रूस के उफा शहर के बश्किर स्टेट मेडिकल पढ़ाई कर रहे थे। वे 19 अक्तूबर से लापता थे।

आईपैड पर अश्लील तस्वीरें देखते मिले सांसद

वॉशिंगटन। डेमोक्रेट सांसद ब्रैड शर्मन एक पैसेंजर फ्लाइट में आईपैड पर अश्लील तस्वीरें देखते पकड़े गए। उनके बगल में बैठे यात्री ने यह शर्मनाक पल तीन फोटो में कैद कर लिया। हर फोटो में सांसद का मुंह खुला हुआ है, आंखें स्क्रीन पर टिकी हैं और आईपैड पर अर्धनग्न महिलाओं की तस्वीरें साफ नजर आ रही है। नेताजी की इस हरकत को उसी फ्लाइट के एक अन्य यात्री ने अपने फोन में कैद कर लिया।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद सेना प्रमुख की पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी

ऑपरेशन सिंदूर 88 घंटे का ट्रेलर था...तो हम पड़ोसी राष्ट्र को व्यवहार भी सिखा देंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भविष्य में किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए सेना तैयार | *अब लड़ाइयां मल्टी-डोमेन होती हैं, कब तक चलेगी पता नहीं*

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान और वहां से संचालित होने वाले आतंकी संगठनों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने दो टूक कहा कि भारत का हालिया आतंकवाद विरोधी अभियान ऑपरेशन सिंदूर, 'सिर्फ एक ट्रेलर' था। जो मात्र 88 घंटे चला था। देश भविष्य की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार है। आर्मी चीफ का ये कमेंट दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार बम धमाके के कुछ दिनों बाद आई है। चाणक्य डिफेंस डायलॉग में सेना प्रमुख ने कहा कि भारत आतंकवादियों और उन्हें समर्थन देने वालों से एक समान व्यवहार करेगा। आर्मी चीफ ने दो टूक कहा कि जब कोई देश राज्य-प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा देता है, तो यह भारत के लिए चिंता का विषय बन जाता है।

भारत प्रगति की बात करता है। अगर कोई हमारे रास्ते में बाधा डालता है, तो हमें उनके खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को घेरते हुए आगे कहा कि जब हम न्यू नॉर्मल की बात करते हैं, तो दो टूक कहते हैं कि बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। हम बस इतना कह रहे कि एक शांतिपूर्ण प्रक्रिया अपनाएं, जिसमें हम सहयोग करेंगे।

हमारे पास लंबे वक्त तक चलने वाली सप्लाई

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी

ऑपरेशन सिंदूर की वजह भी बताई

22 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। इसमें जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले में स्थित बैसरन घाटी में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी। इसके बाद भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई आतंकी ठिकानों और एयरपोर्ट को नष्ट कर दिया गया।

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बात करते हुए उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ये एक्शन सिर्फ एक ट्रेलर था जो 88 घंटे में खत्म हो गया। हम भविष्य में किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार हैं। अगर पाकिस्तान मौका देता है, तो हम उसे सिखाएंगे कि एक पड़ोसी राष्ट्र के साथ जिम्मेदारी से कैसे व्यवहार किया जाता है। सेना प्रमुख ने यह भी बताया कि मॉडर्न वॉर में कई प्लेटफार्मों पर समन्वय की आवश्यकता होती है। आज के समय में, लड़ाइयां मल्टी-डोमेन होती हैं। हम यह नहीं कह सकते कि यह कब तक चलेगी। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे पास लंबे समय तक चलने वाली सप्लाई है।

एक साल से भारत-चीन संबंधों में हुआ सुधार

सेना प्रमुख द्विवेदी ने कहा कि पिछले अक्टूबर से भारत और चीन के संबंधों में सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हालिया बैठकों में सामान्य स्थिति बहाल करने और विवादों के समाधान पर सकारात्मक चर्चा हुई है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि 21 अक्टूबर 2024 को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हुआ समझौता भारत के लिए फायदेमंद रहा। इस समझौते में सीमा पर गश्त को लेकर बातचीत हुई है। दोनों नेताओं ने कहा कि भारत और चीन विकास साझेदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं और यह भी कि मतभेद विवाद में नहीं बदलने चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर राजनीतिक दिशाएं स्पष्ट हों, तो उससे सभी को लाभ होता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जून 2024 में चीनी समकक्ष से कहा कि यह तय करने का समय है कि बर्फ पिघलनी चाहिए या नहीं।

रूस से व्यापार करने पर सख्त हुआ यूएस

रूस से व्यापार करने वाले देशों पर लगेगा प्रतिबंध, कानून ला रहे ट्रंप

ट्रंप व पुतिन

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका का ट्रंप प्रशासन जल्द ही एक नया कानून बनाने जा रहा है, जिसके तहत रूस से व्यापार करने वाले देशों पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इसे समर्थन दे दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उनकी पार्टी एक विधेयक लाने जा रही है, जिसके तहत रूस से व्यापार करना किसी भी देश के लिए बेहद मुश्किल हो जाएगा। ट्रंप ने कहा कि 'रूस के व्यापारिक साझेदार देश यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने के लिए जिम्मेदार हैं, खासकर रूस से कच्चा तेल और गैस खरीदने वाले देश। ट्रंप ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऐसा विधेयक लाने जा रही है, जिसमें रूस से व्यापार करने वाले देशों पर काफी कड़े प्रतिबंधों का प्रावधान है। रूस से व्यापार करने वाले देशों में भारत और चीन शामिल हैं।

■ कानून बना तो भारत की भी बढ़ेंगी मुश्किलें!

भारत- रूस में बढ़ रहा द्विपक्षीय व्यापार

एक तरफ अमेरिका रूस से व्यापार करने वाले देशों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ भारत और रूस के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है। साल 2030 तक दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य तय किया है। भारत और रूस के बीच इंडिया-यूरेशियन इकॉनोमिक यूनियन मुक्त व्यापार समझौता हो सकता है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर अमेरिका का यह विधेयक पारित हो जाता है, तो ट्रंप उन देशों से आयात पर 500 प्रतिशत तक शुल्क लगा सकेंगे जो रूस से कच्चा तेल या गैस खरीदते हैं।

चीन में कदम से कदम मिलाकर चले सैकड़ों रोबोट

बीजिंग। चीन की टेक कंपनी अबटेक रोबोटिक्स ने हाल ही में एक ऐसा वीडियो जारी किया जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। इस वीडियो में सैकड़ों ह्यूमनॉइड रोबोट एकदम सैन्य अंदाज में लाइन लगाकर चलते दिखाई दे रहे हैं। कंपनी का दावा है कि यह उसके रोबोट मॉडलों की पहली बड़े पैमाने पर डिलीवरी है। वीडियो काफी सिनेमैटिक अंदाज में शूट किया गया है, जिसका उद्देश्य कंपनी के दूसरे जेनरेशन वाले वॉकर एस 2 मॉडल के लॉन्च को प्रमोट करना है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक अबटेक का कहना है कि यह रोबोट दुनिया का पहला ऐसा ह्यूमनॉइड रोबोट है जो खुद ही अपनी बैटरी बदल सकता है। कंपनी ने यह जानकारी दी।

मुंद्रा पोर्ट पर डीआरआई का बड़ा एक्शन

पांच करोड़ के चीनी पटाखे जब्त, मास्टरमाइंड गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

जब्त किए गए पटाखे

पटाखों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन फायर ट्रेल में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) को बड़ी सफलता मिली है। अधिकारियों ने गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर 5 करोड़ रुपए के चीनी पटाखे जब्त किए हैं। साथ ही एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। डीआरआई अधिकारियों ने बताया कि पटाखों के अवैध आयात पर अंकुश लगाने के लिए ऑपरेशन फायर ट्रेल चलाया जा रहा है। इसी ऑपरेशन के तहत मुंद्रा पोर्ट पर चीन से आ रहे एक 40 फुट लंबे कंटेनर को रोका, जिसमें पानी का गिलास और फूलदान होने की बात कही गई थी। लेकिन जांच के दौरान पता चला कि 30,000 से अधिक पटाखे और आतिशबाजी पानी के गिलासों के ऊपरी हिस्से के पीछे छिपाकर रखे गए थे। विदेश व्यापार नीति के आईटीसी (एचएस) कोड के तहत चीनी पटाखों का आयात प्रतिबंधित श्रेणी में आता है. इसके लिए विस्फोटक नियम, 2008 के तहत दोनों संस्थाओं से वैध लाइसेंस जरूरी है।

दुनियाभर में चैटGPT और X ठप

-क्लाउडफ्लेयर की दिक्कत से डिजिटल सर्विसेज में वैश्विक आउटेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार शाम लगभग 5:15 बजे से दुनिया भर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) और लोकप्रिय एआई प्लेटफॉर्म ChatGPT की सर्विसेज अचानक ठप हो गईं। भारत से लेकर अमेरिका, यूरोप और एशिया के कई देशों में लाखों यूजर्स इनमें लॉगिन, साइन-अप, पोस्ट करने, पोस्ट देखने और प्रीमियम फीचर्स का उपयोग ही नहीं कर पाए। स्थिति इतनी गंभीर रही कि सर्वर डाउन की जानकारी देने वाली सबसे विश्वसनीय वेबसाइट डाउनडिटेक्टर भी खुद ही डाउन हो गई। यह बाधा इसलिए आई क्योंकि डाउनडिटेक्टर की बैकएंड सर्विस जिस क्लाउडफ्लेयर इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर है, वह भी तकनीकी खराबी का शिकार हो गया।

सबसे बड़ा सवाल — X और ChatGPT डाउन क्यों हुए?

इस वैश्विक बाधा की मुख्य वजह सामने आई है — क्लाउडफ्लेयर की बड़े पैमाने पर तकनीकी दिक्कत

क्लाउडफ्लेयर एक प्रमुख इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है, जो लाखों वेबसाइट्स और एप्स को सुरक्षा, स्पीड और विश्वसनीयता प्रदान करती है। जब क्लाउडफ्लेयर में बड़ी समस्या आती है, तो उससे जुड़ी वेबसाइटें और सर्विसेज अपने आप प्रभावित हो जाती हैं। चूंकि X, ChatGPT और Down-Detector—तीनों किसी न किसी स्तर पर क्लाउडफ्लेयर की सर्विस का उपयोग करते हैं, इसलिए जैसे ही इसकी सर्विस ठप हुई, इन प्लेटफॉर्म्स पर वैश्विक स्तर पर आउटेज देखने को मिला। विशेषज्ञों के अनुसार, यह DNS और CDN नेटवर्क में अचानक आई गड़बड़ी का परिणाम है, जिससे वेब पेज लोडिंग, ऐप कनेक्टिविटी और सर्वर रेस्पॉन्स पूरी तरह बाधित हो गए।

यूजर्स पर असर: न लॉगिन हो रहा, न पोस्ट दिख रही

भारत समेत दुनिया भर से हजारों यूजर्स ने शिकायत की कि— X ऐप खुल तो रहा है लेकिन पोस्ट लोड नहीं हो रही, पोस्ट करने पर "Error" या "Something went wrong" मैसेज आ रहा, प्रीमियम फीचर्स और Spaces जैसे विकल्प काम नहीं कर रहे, कुछ यूजर्स ने 'Rate limit exceeded' संदेश भी देखा, ChatGPT में लॉगिन और चैट रेस्पॉन्स दोनों पूरी तरह रुके रहे, यह आउटेज कई घंटों तक जारी रहने से कई मीडिया हाउसों, कंपनियों और क्रिएटर प्लेटफॉर्म्स की गतिविधियाँ भी प्रभावित हुईं।

डाउनडिटेक्टर भी बंद — यूजर्स की परेशानी दोगुनी

आमतौर पर जब किसी वेबसाइट या ऐप में दिक्कत आती है, तो लोग DownDetector पर जाकर चेक करते हैं कि समस्या अपने यहाँ है या दुनिया भर में। लेकिन इस बार खुद DownDetector ही डाउन हो गया। इसका कारण यह बताया गया कि— DownDetector की मूल संरचना क्लाउडफ्लेयर पर निर्भर है, क्लाउडफ्लेयर के ठप होते ही DownDetector भी काम करना बंद कर गया, लोग सर्वर आउटेज की जानकारी भी नहीं देख पाए, जिससे भ्रम की स्थिति बनी रही।

X पर क्या-क्या दिक्कतें देखने को मिलीं?

डाउनडिटेक्टर के उपलब्ध डेटा (उसके बंद होने से पहले तक) के अनुसार— 43% यूजर्स को पोस्ट देखने में दिक्कत हुई, 23% यूजर्स वेबसाइट वर्जन को एक्सेस नहीं कर पाए, 24% यूजर्स को वेब कनेक्शन एरर मिला, भारत, अमेरिका, जापान, यूके और मध्य-पूर्व के कई देशों से आउटेज की सबसे अधिक रिपोर्टें आईं।

ChatGPT यूजर्स पर प्रभाव

OpenAI के ChatGPT को लेकर यूजर्स ने बताया कि— ChatGPT-4 और GPT-4o दोनों मॉडल लोड नहीं हो रहे

बॉट कोई जवाब नहीं दे रहा, "Unable to load conversation" जैसे संदेश लगातार दिख रहे, प्रीमियम प्लान के कई ग्राहक फीचर्स एक्सेस नहीं कर पा रहे, क्योंकि ChatGPT व्यवसाय और मीडिया के लिए एक महत्वपूर्ण टूल बन चुका है, इसलिए इसका ठप होना कई क्षेत्रों में काम रोक देने जैसा प्रभाव डाल गया।

6 प्रमुख ऑयल-गैस पीएसयू ने 315 अरब डॉलर कमाई की

जापान के निवेशकों और टेक्नोलॉजी लीडर्स के लिए भारत विश्वसनीय पार्टनरः मंत्री पुरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि वे जापान की राजधानी टोक्यो में एनर्जी वैल्यू चेन में भारत-जापान सहयोग के अवसरों पर चर्चा के लिए जापान के इंडस्ट्री लीडर्स के साथ एक राउंड टेबल का हिस्सा बने। सम्मेलन में भारत-प्रशांत की ऊर्जा स्थिरता और सतत विकास को भारत-जापान सहयोग से मजबूत करने पर चर्चा हुई। उन्होंने इस सम्मेलन को लेकर जानकारी देते हुए बताया, हमने चर्चा की कि भारत-प्रशांत क्षेत्र की ऊर्जा स्थिरता

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी

और सस्टेनेबल ग्रोथ किस प्रकार भारत के व्यापक पैमाने विशेषकर पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने और बढ़ाने से जुड़ी पहलों और जापान की कटिंग-एज टेक्नोलॉजिकल लीडरशिप के साथ नया आकार पा सकती हैं। केंद्रीय मंत्री पुरी ने एक्स पर लिखा, भारत की 6 बड़ी ऑयल और गैस पब्लिक सेक्टर कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 में 315 अरब डॉलर का रेवेन्यू दर्ज किया है, जो कि भारत की जीडीपी का 8 प्रतिशत है। यह पैमाना ग्लोबल एनर्जी एंकर और जापान के निवेशकों- टेक्नोलॉजी लीडर्स के लिए एक विश्वसनीय पार्टनर के रूप में भारत की भूमिका को उजागर करता है। 100 प्रतिशत एफडीआई, पारदर्शी बिडिंग और वर्षभर लाइसेंसिंग जैसे सुधारों ने निवेशक-अनुकूल ऊर्जा माहौल बनाया है।

70 फीसदी तक घटा नामांकन

भारतीय छात्रों के पलायन ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों की बढ़ा दी मुश्किलें

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिका में भारतीय छात्रों की संख्या में आई ऐतिहासिक गिरावट ने साफ कर दिया है कि दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा अर्थव्यवस्था अब अपने पुराने भरोसे को खो रही है। वीजा प्रक्रिया की बढ़ती जटिलताओं, सख्त सुरक्षा जांच और एच-1बी वर्क परमिट की अनिश्चितता ने भारतीय परिवारों को गहरी चिंता में डाल दिया है।

इसका सीधा असर यह हुआ है कि भारतीय छात्र अब बड़ी संख्या में अमेरिका से मुंह मोड़कर कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप का रुख कर रहे हैं।

इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एजुकेशन (आईआईई) की प्रारम्भिक ओपन डोर्स रिपोर्ट और अमेरिकी विवि के आंतरिक सर्वेक्षण बताते हैं कि 2024-25 सेशन तक भारतीय छात्रों का नामांकन अमेरिका में लगभग 70 फीसदी गिर गया है।

बीते वर्ष जहां करीब 3,75,800 भारतीय छात्र वहां पढ़ रहे थे, वहीं इस वर्ष यह संख्या घटकर करीब 1,12,000 पर आ गई है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,